INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-350 | मथुरा, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

डीजे, हथियार और रफ्तार का खौफ

राजस्थान से आई बारात में 'पिस्टल' लहराना पड़ा भारी

यूनिक समय, गोवर्धन। शादी समारोह के नाम पर महंगी गाड़ियों से हुड़दंग करने और गांव में दहशत फैलाने वालों के खिलाफ गोवर्धन पुलिस ने सख्त एक्शन लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हुड़दंग में शामिल तीन 'महिंद्रा थार' गाड़ियों को बरामद कर जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और जांच में मामले की पुष्टि होने के बाद की गई है। बीती 10 दिसंबर को ग्राम देवसेरस में एक स्थानीय निवासी की पुत्री की बारात राजस्थान के कामां (अंगरावली) से आई थी। आरोप है कि बारात में शामिल युवक महंगी गाड़ियों को गलियों में तेजी से दौड़ा रहे थे। युवक गाड़ियों की छत पर बैठकर और सनरूफ से बाहर

गोवर्धन पुलिस ने जब्त की तीन थार गाड़ियां।

निकलकर अवैध तमंचे और पिस्टल लहरा रहे थे। साथ ही तेज आवाज में हूटर और डीजे बजाकर गांव में आतंक का माहौल पैदा कर दिया था। स्थिति यह थी कि ग्रामीण डर के मारे अपने घरों के दरवाजे बंद कर छुप गए थे। हुड़दंग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने संज्ञान लिया और 16 दिसंबर को करीब 20 अज्ञात कार सवारों के

वायरल वीडियो के बाद पुलिस हरकत में

पुलिस ने जब्त की तीन थार गाड़ियां

20 अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा

खिलाफ बीएनएस और सीएलए एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। गोवर्धन पुलिस ने दबिश देकर राजस्थान नंबर की तीन थार गाड़ियाँ बरामद कर ली हैं। पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य वाहनों और हुड़दंगियों की तलाश में जुटी है।

मथुरा सर्राफा बाजार में गिरावट

दो दिन में चांदी 24 हजार सस्ती, सोना भी टूटा

कारोबार संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों में हलचल तेज हो गई है। कारोबारियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी का असर स्थानीय बाजार पर भी साफ दिखाई दे रहा है। आईबीजेए के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 13 फरवरी को एक किलो चांदी की कीमत 17,188 रुपए गिरकर 2,41,945 रुपए पर आ गई। दो दिन पहले चांदी 2,66,449 रुपए प्रति किलो थी, यानी महज 48 घंटे में करीब 24 हजार रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं 24 कैरेट सोना भी 2,899 रुपए टूटकर 1,52,751 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। गुरुवार को यह 1,55,650 रुपए पर था। मथुरा के ज्वेलर्स का कहना है कि कीमतों में आई इस गिरावट से शादियों और मांगलिक कार्यक्रमों के लिए खरीदारी करने वाले ग्राहकों को कुछ राहत मिली है। हालांकि वर्ष की शुरुआत से अब तक सोना 22 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हो चुका है।

31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1,33,195 रुपए था, जो अब बढ़कर 1,52,751 रुपए हो गया है। चांदी भी इस अवधि में 28 हजार रुपए से अधिक महंगी हुई है। व्यापारियों का कहना है कि वैश्विक बाजार, डॉलर की चाल और निवेशकों की खरीद-बिक्री का सीधा असर कीमतों पर पड़ रहा है। ग्राहकों को सलाह दी जा रही है कि खरीदारी करते समय बीआईएस हॉलमार्क वाला प्रमाणित सोना ही लें, ताकि शुद्धता सुनिश्चित हो सके।

टिकट लेकर दो घंटे ही प्लेटफॉर्म पर रह सकते हैं

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। टिकट होते हुए भी आपको फाइन देना पड़ सकता है। शायद आपको मजाक लग रहा होगा कि जब मैंने टिकट लिया है तो मुझे फाइन क्यों देना पड़ेगा! पहले और अब में बहुत अंतर आ चुका है, जहां पहले आप एक बार प्लेटफार्म टिकट ले लेते थे तो पूरे दिन रेलवे स्टेशन पर रहते थे। फिर भी आपको कोई दिक्कत नहीं होती थी लेकिन अब ऐसा नहीं होता! जितने बजे आप प्लेटफार्म टिकट लेंगे, उसके दो घंटे तक ही वह टिकट ही वैलेड होगा। 2 घंटे से अगर आप ज्यादा स्टेशन पर रुक गए और

अधिक समय पर पकड़े जाने पर 250 रुपये जुर्माना

किसी टिकट निरीक्षक ने आपसे टिकट मांग दिया और आपने जब टिकट दिखाई तो उसकी तो अवधि खत्म हो चुकी थी तो मजबूरन आपको 250 रुपये जुर्माना देना पड़ सकता है। तो इसीलिए जब आपका कोई ट्रेन से आने वाला हो या आप किसी को छोड़ने जा रहे हो तो ध्यान इस चीज का रखना! नहीं तो बाद में 10 रुपये के चक्कर में 250 रुपए देने पड़ सकते हैं।

अनधिकृत कॉलोनी में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन रोड स्थित राधासिटी कॉलोनी के पीछे, खसरा सं. 440 व 444, चन्द्राग्रीन्स कॉलोनी से आगे लगभग 10,000 वर्गमीटर क्षेत्र में शिवराम सिंह एवं प्रमोद मास्टर द्वारा गिट्टी डालकर सड़क निर्माण सहित अनधिकृत विकास कार्य किए जाने का मामला संज्ञान में आया। स्थल पर किसी प्रकार की स्वीकृति प्रस्तुत न किए जाने पर उप्र नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वाद दर्ज किया गया। नियत तिथि पर सुनवाई के दौरान विपक्षी के अनुपस्थित रहने तथा निर्माण कार्य जारी रखने के कारण 29 जनवरी को ध्वस्तीकरण के आदेश

पारित किए गए। निर्धारित अवधि में अवैध निर्माण न हटाए जाने पर उपाध्यक्ष के निर्देशन एवं सचिव के नेतृत्व में प्राधिकरण प्रवर्तन दल द्वारा थाना-हाईवे पुलिस बल के सहयोग से स्थल पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही संपन्न कराई गई। प्राधिकरण प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध कॉलोनियों एवं अनधिकृत निर्माण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर 75 वर्षीय महिला से 33 लाख की ठगी

यूनिक समय, आगरा। साइबर ठगों ने 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' का भय दिखाकर 33 लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता प्रमोद कुमारी सिंह, निवासी खंदारी, को फोन कर खुद को दिल्ली का बड़ा सरकारी अधिकारी बताने वाले जालसाजों ने गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज होने की बात कही और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसाने की धमकी दी। डर और मानसिक दबाव में आकर महिला ने अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस के जरिए रकम ट्रांसफर कर दी।

ठगों ने कॉल के दौरान स्वयं को नई दिल्ली टेलीकॉम मुख्यालय से जुड़ा अधिकारी बताया और जांच एजेंसियों का नाम लेकर महिला को लगातार डराते रहे। उन्हें यह भी कहा गया कि उन्हें "डिजिटल अरेस्ट" किया जा रहा है और यदि उन्होंने किसी से संपर्क किया तो कानूनी स्थिति और गंभीर हो जाएगी। इस मनोवैज्ञानिक दबाव के चलते महिला ने 33 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। मामले की जानकारी मिलते ही अली अब्बास, डीसीपी सिटी, ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने बताया कि साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जिन खातों में धनराशि भेजी गई है, उन्हें फ्रीज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस साइबर ठगों की लोकेशन और बैंक खातों की जांच में जुटी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी धमकी भरे कॉल से घबराएं नहीं। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर इस प्रकार पैसे नहीं मांगती। संदिग्ध कॉल आने पर तुरंत सत्यापन करें और पुलिस को सूचना दें। बिना जांच-पड़ताल किसी भी खाते में धनराशि ट्रांसफर न करें।

सहालग | प्यार के इजहार संग सात फेरे

मथुरा जिले में करीब दो दिन में पांच सौ शादियां

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। सहालग शुरू हो गई है। 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर जिले भर में करीब पांच सौ शादियां होंगी। होटल, गेस्ट हाउस, लॉन, रिसॉर्ट फुल हो चुके हैं। करीब 20 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। रोज गोल्ड ज्वेलरी के अलावा हार्टशेप, लव, आई लव यू लिखी चेन, अंगूठी, ब्रेसलेट लॉकेट की अच्छी बिक्री हो रही है। जिले में कई जगह इस बार शादियों में नया ट्रेंड दिख रहा है। रात के बजाय दोपहर में ही दूल्हा-दुल्हन फेरे ले रहे हैं और शाम को दावत में शामिल होकर घर परिवार के साथ डांस कर रहे हैं। बंपर शादियां होने से ऑटोमोबाइल,

सोना-चांदी, मेवा, टेंट कारोबारियों को भी अच्छे कारोबार की उम्मीद है। सहालग का असर बाजारों में भी देखा जा रहा है। सर्राफा, मेवा, टेंट, कपड़ा कारोबार में अच्छा उछाल आया है। अभी प्रतिदिन औसतन करीब 40-60 शादियां हो रही हैं। वहीं वैलेंटाइन के लिए सर्राफा बाजार भी तैयार है। डायमंड के अलग-अलग स्टाइल के लॉकेट, ब्रेसलेट, सेट, अंगूठी, प्लेटिनम ईयरिंग की बाजार में अच्छी डिमांड है। ग्राहकों की मांग पर उनके वैलेंटाइन के नाम लिखा ब्रेसलेट, लॉकेट भी ऑर्डर पर तैयार किए जा रहे हैं। लव लिखे लॉकेट के साथ चेन और हार्ट शेप में बनाई गई अंगूठी।

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे व 15 को महाशिवरात्रि पर तैयारियां

20 करोड़ के कारोबार का अनुमान

वैलेंटाइन डे पर कल जिन युवक-युवतियों की शादी है, उनका मानना है कि यह दिन उनके लिए यादगार रहेगा। वह हर साल इस दिन अनूठे अंदाज में मनाएंगे। जिन लोगों की पिछले साल वैलेंटाइन डे पर शादियां हुई हैं, वह 14 फरवरी के दिन को मनाने के लिए होटल जाएंगे।

वाहन स्वामी को 45 दिन में भरना होगा चालान

पांच बार नियमों के उल्लंघन पर निरस्त होगा ड्राइविंग लाइसेंस

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। सड़क पर लापरवाही से वाहन चलने की आदत है। बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने की आदत है तो उसे सुधार लें। वाहन का चालान होने पर समयबद्ध सीमा में उसका भुगतान करना होगा। नहीं तो आपका ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन का पंजीकरण दोनों निरस्त कर दिए जाएंगे। वहीं एक वर्ष में पांच बार या उससे अधिक यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर भी चालक का डीएल निरस्त कर दिया जाएगा। बताते चलें कि सड़कों पर अनुशासन और हादसों पर अंकुश लगाने के लिए

यातायात नियमों को और सख्त बनाने को केंद्र सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन यान नियमावली 1989 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। केंद्रीय मोटर यान नियम 2026 के तहत अब चालान के भुगतान की सीमा को समयबद्ध कर दिया गया है। सरकार ने नियम 21 में नया खंड जोड़ते हुए प्रवधान किया है कि एक जनवरी 2026 से एक वर्ष की अवधि में यदि कोई पांच या उससे अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन करता है तो इसे गंभीर श्रेणी में माना

केंद्र सरकार ने केंद्रीय मोटर वाहन यान नियमावली 1989 में संशोधन किया

जाएगा। डीएल निरस्त कर दिया जाएगा। हालांकि पिछले वर्ष के यातायात नियमों के उल्लंघन की संख्या को नए वर्ष की संख्या में शामिल नहीं किया जाएगा। नए नियमों में यह भी प्रावधान है कि प्राधिकारी चालान के विरुद्ध वाहन स्वामी की आपत्ति खारिज कर देता है तो वह न्यायालय की शरण ले सकते हैं। मगर, वाहन मालिक को चालान की राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा पहले जमा कराना होगा।

मथुरा में आमने-सामने भिड़ीं दो कारें, पांच लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना जमुना पार क्षेत्र में राया रोड पर देर रात दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक कार मथुरा से राया की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी राया से मथुरा आ रही थी। इसी दौरान एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराया और फिर सामने से आ रही कार से जा भिड़ा। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय निवासी कुँवरपाल और बंटी ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने राहत कार्य शुरू कर दिया। पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई तथा घायलों को कारों से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका उपचार जारी है।

तापमान / मौसम

27 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

13 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,58,000
22 कैरेट 1,45,360
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,60,000 प्रति किलो

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

पांच दिन में तय करेगा 125 किमी का सफर

बलदेव पहुंचकर दिव्यांग धीरेंद्र करेगा जलाभिषेक

दिव्यांग धीरेंद्र

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा/ अतरौली (अलीगढ़)। जब ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा हो और मन में भक्ति का संकल्प तो कोई भी बाधा रास्ते में आड़े नहीं आती। इसका उदाहरण मथुरा की तहसील महावन के गांव आंगई दाऊजी निवासी शिवभक्त विधा दिव्यांग धीरेंद्र सिकरवार हैं। दोनों पैर न होने के बाद भी वह राजघाट से मथुरा तक कांवड़ लेकर आ रहे हैं। गले में गंगाजल की दो कट्टी लटकाए धीरेंद्र को जो देखता है वह नमन ही करता है। आंगई निवासी किसान सत्यवीर सिंह के चार बेटे एक बेटी में दूसरे नंबर के धीरेंद्र जन्म से ही दिव्यांग हैं। उनके बड़े भाई जितेंद्र सिकरवार दिल्ली में इंजीनियर हैं। धीरेंद्र ने बताया कि वह पहले भी दो लीटर की कांवड़ ले जा चुके हैं। धीरेंद्र ने बताया कि वह पिछले वर्ष दो लीटर जल लेकर गए थे। इस बार चार लीटर जल लेकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति उनकी आस्था है। ईश्वर की भक्ति के लिए परिवार के सदस्य भी उनका सहयोग

कदमों से नहीं, हौसले से मंजिल तक बढ़ रहा है धीरेंद्र

करते हैं। समाजसेवी मंगल गुप्ता, भुवेंद्र उपाध्याय, दुष्यंत आदि कहते हैं कि इस तरह के भक्तों के जज्बे को देखकर हर कोई बेहद प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि वह एक दिन में करीब 20-24 किलोमीटर का सफर तय कर लेते हैं। रास्ते में जहां भी मंदिर पड़ता है, वहां कांवड़ की कट्टियों को टांगकर रात्रि में विश्राम करते हैं। खाने में हल्का खाना जो भी मिल जाए खाते हैं। पब्लिक स्कूल में हाईस्कूल तक पढ़े हैं। दिव्यांग होने के कारण वह घर से पांच किमी दूर बस से स्कूल पढ़ने जाते थे। माता-पिता और भाई बहन उनको हमेशा सहयोग करते हैं। वह अकेले ही बिना किसी अन्य व्यक्ति के सहारे कांवड़ लेने निकले हैं। वह अविवाहित हैं। वह बस द्वारा रामघाट पहुंचे और वहां स्नान कर बुधवार को रामघाट से चले थे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से 15 को निकलेगी शिव-बारात

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा-संस्थान, के तत्वावधान में महाशिवरात्रि पर शिव बारात 15 फरवरी को निकाली जाएगी। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि 15 फरवरी को दोपहर करीब दो बजे से श्रीकृष्ण जन्मस्थान से शिव बारात प्रारम्भ होगी। भोले की यह बारात रूपी शोभायात्रा नगर में डीगगेट, मण्डी रामदास, चौक बाजार, स्वामीघाट, छत्ता बाजार, होली गेट, भरतपुर गेट होते हुये श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पहुँचकर पूर्ण होगी। बताया कि इस वर्ष शिव बारात की शोभा अनूठी और अभूतपूर्व होगी। शिव बारात में शामिल होने के लिए विभिन्न स्थानों से झांकी, नृत्य मण्डलियों एवं स्वरूप मथुरा पधारेंगे। इस वर्ष मथुरा एवं आसपास के क्षेत्र के अखाड़े भी शिव बारात में अपनी सहभागिता देंगे। बारात के बाद महाशिवरात्रि महाभिषेक श्रीकृष्ण जन्मस्थान में स्थित भागवत भवन में विराजमान श्रीकेशवेश्वर महादेव के दुर्लभ पारद शिवलिंग का शास्त्रोक्त विधि एवं विधानों के अनुरूप किया जायेगा। सायंकाल सात बजे से भगवान श्रीकेशवेश्वर महादेव का दुर्लभ अभिषेक प्रारम्भ होगा जो प्रातः 3:00 बजे पूर्ण होगा। शिवरात्रि में महाभिषेक के दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश प्रातः 3:00 बजे तक हो सकेगा।

होली पर डीजे और मिट्टी वाले गुलाल पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

महाशिवरात्रि और होली की तैयारियों को लेकर थाना परिसर में व्यापारी जनप्रतिनिधियों संग चर्चा करते सीओ और एसओ।

संवाददाता
यूनिक समय, गोवर्धन। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि और होली की तैयारी को लेकर सीओ अनिल कुमार सिंह और एसएचओ भगवत सिंह गुर्जर ने व्यापारियों, ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में महाशिवरात्रि पर बाहर से आने वाले कांवड़िया श्रद्धालुओं की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही स्थानीय लोगों से होली पर्व को शांति और सुरक्षित तरीके से कैसे मनाया जा सके इसके बारे में सुझाव लिए। बताते चलें कि महाशिवरात्रि पर कांवड़िया कावड़ लेकर मथुरा से गोवर्धन के रास्ते होते हुए कामा पहुंचेंगे। गोवर्धन में चकलेश्वर व लोटेश्वर आदि महादेव के मंदिरों में जल चढ़कर काम में कामेश्वर पर जल चढ़ाने को आएंगे। वहीं होली पर हुड़दंगियों पर भी कड़ी निगरानी रखने के आदेश सीओ ने दिए। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के सुझाव पर सीओ ने होली पर मिट्टी वाले गुलाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की बात कही। साथ ही कहा कि होली पर मदिरापान करके उत्पात करने वाले लोगों और अत्यधिक तेज आवाज में डीजे बजाने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। कहा कि होली पर्व आपसी भाईचारे और प्रेम का पर्व है। इस पर्व पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं भी एक अच्छा संदेश लेकर जाएं। इसके लिए सभी स्थानीय लोगों को भी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने में सहयोग करना चाहिए। महाशिवरात्रि और होली पर डीग अड्डा से लेकर एकता तिराहे तक बाहरी वाहनों के प्रवेश तथा ई-रिक्शाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का भी सुझाव दिया।

राज्यसभा में प्रस्तुत की कड़वी सच्चाई

उफ...जन्मदाता उनके लिए एक 'बोझ'

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा सांसद राधा मोहनदास अग्रवाल ने एक ऐसी कड़वी सच्चाई पेश की है, जिसने विकास और तरक्की के बड़े-बड़े दावों की कलई खोलकर रख दी है। यह मुद्दा उन साढ़े तीन करोड़ भारतीयों का है जो सरहदों के पार सुनहरे भविष्य की तलाश में गए, लेकिन पीछे उन आँखों को धुंधला छोड़ गए जिन्होंने उन्हें इस काबिल बनाया था। विडंबना देखिए, जिन मां-बाप ने अपना पेट काटकर, अपनी पुश्तैनी जमीनें बेचकर और अपनी हर खुशी कुर्बान कर बच्चों को सात समंदर पार भेजा, आज वही बच्चे उनकी मौत पर कंधा देने तक को

तैयार नहीं हैं। सांसद ने सदन को इंदौर और दिल्ली की उन रूह कंपा देने वाली घटनाओं से रूबरू कराया, जहाँ विदेश में बैठे बच्चों के इंतज़ार में मां-बाप की लाशें हफ्तों तक घर में सड़ती रहीं। यह महज़ एक घटना नहीं, बल्कि उस आधुनिक सभ्यता का काला सच है जहाँ शुरू में तो बच्चे मां-बाप को अपनी ज़रूरत के लिए विदेश बुलाते हैं, लेकिन वक्त बीतने के साथ वही जन्मदाता उनके लिए एक 'बोझ' बन जाते हैं। 2007 का मौजूदा कानून अब बेअसर साबित हो रहा है, क्योंकि कानून की दलीलों से ज़्यादा ज़रूरी अब ज़मीर की अदालत में हिसाब करना है। इसलिए, राज्यसभा में एक कड़े समाधान का प्रस्ताव रखा गया है। सुझाव है कि अब विदेश जाने वाले हर युवा से एक शपथ-पत्र लिया जाए, जो यह सुनिश्चित करे कि वह अपने माता-पिता के स्वास्थ्य, उनकी देखभाल और उनके सम्मान की पूरी ज़िम्मेदारी उठाएगा। इतना ही नहीं, हर 6 महीने में एक 'ज़िम्मेदारी पूर्ति प्रमाण-पत्र' देना अनिवार्य हो, और अगर कोई औलाद अपने इस कर्तव्य में फेल होती है, तो भारत सरकार के पास उसका पासपोर्ट रद्द कर उसे तुरंत वापस बुलाने का अधिकार होना चाहिए। यह लड़ाई सिर्फ एक कानून की नहीं है, बल्कि उन बूढ़ी आँखों के सम्मान की है जिन्हें हमने तरक्की की अंधी दौड़ में लावारिस छोड़ दिया है। क्या वाकई हमें ऐसी शिक्षा और ऐसी सफलता चाहिए जो हमें इंसान से पत्थर बना दे? क्या आपको लगता है कि अब 'कानून का डंडा' ही ऐसी निर्दयी औलादों को सुधार सकता है? क्या अपनी जिम्मेदारी से भागने वाले ऐसे बच्चों का पासपोर्ट रद्द करना एक सही कदम होगा?

अब एक्सप्रेस-वे पर 15 से फिर तयशुदा गति से दौड़ेंगे वाहन

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे की स्पीड 100 तथा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फिर दौड़ा सकेंगे वाहन। पर सर्दियों में कोहरा-धुंध के चलते घटाई गई वाहनों की गति सीमा अब 15 फरवरी से रात 12 बजे के बाद पूर्ववत कर दी गई है। मौसम में सुधार को देखते हुए हल्के चार पहिया वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा दोबारा 100 किमी प्रति घंटे कर दी गई है। 15 दिसंबर से घने कोहरे और हादसों की आशंका के मद्देनजर हल्के वाहनों की गति 75 किमी प्रति घंटे निर्धारित की गई थी। यह व्यवस्था दो महीने के लिए लागू की गई थी, जो

भारी वाहनों की अधिकतम गति सीमा 60 किमी प्रति घंटे ही रहेगी

15 फरवरी तक प्रभावी रही। अब कोहरे की स्थिति सामान्य होने पर पूर्व निर्धारित गति सीमा बहाल कर दी गई है। भारी वाहनों की अधिकतम गति सीमा 60 किमी प्रति घंटे ही रहेगी। एक्सप्रेसवे से प्रतिदिन लगभग 20 हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग करने की अपील की है।

पुलिस चौकी से 100 मीटर दूर गुंडागर्दी

कानून बेबस! मथुरा गेट क्षेत्र में युवक को बेरहमी से पीटकर किया अपाहिज

संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा गेट पुलिस चौकी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जो हुआ, उसने कानून–व्यवस्था की पोल खोल दी। पुलिस चौकी से महज सौ मीटर की दूरी पर गौतम पाड़ा निवासी राकेश गौतम को 7-8 दबंग युवकों ने घेरकर बेरहमी से पीटा। लाठी–डंडों से किए गए इस हमले में राकेश के दोनों पैर बुरी तरह फ्रैक्चर हो गए। हैरानी की बात यह है कि हमला दिनदहाड़े, भीड़ के सामने हुआ, लोग देखते रहे, लेकिन पुलिस का डर खत्म और कानून का खौफ नदारद दिखा। कोई बीच–बचाव की हिम्मत नहीं जुटा सका। घायल राकेश को पहले सौ शैय्या अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे तुरंत जिला अस्पताल रेफर कर दिया। राकेश के भाई रूपकिशोर गौतम ने आरोप लगाया है कि यह हमला आरोपियों ने किया। चौंकाने वाली बात यह है कि बीती 16 जनवरी को भी इन आरोपियों ने बांके बिहारी पुलिस चौकी क्षेत्र में राकेश के साथ मारपीट की थी। उस मामले में थाना वृन्दावन में मुकदमा दर्ज हुआ था और जांच एसआई सुबोध कुमार को सौंपी गई थी।

पुलिस चौकी के इतने पास दुस्साहस कैसे हुआ?

यूनिक समय, वृंदावन। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी खुलेआम घूमते रहे और पुलिस की ढिलाई ने उन्हें दोबारा हमला करने का हौसला दिया। यह घटना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर करारा तमाचा है। अब देखना यह है कि क्या पुलिस इस बार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी करेगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा। मथुरा गेट की इस वारदात ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अगर पुलिस सख्त नहीं, तो अपराधी निडर।

सीसीटीवी कैमरा में वारदात फिर भी मुकदमा दर्ज नहीं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा गेट पुलिस चौकी क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राधानिवास क्षेत्र निवासी नारायण दास के साथ 23 जनवरी को हुई चोरी की वारदात में हैरानी की बात यह है कि बैंक के सीसीटीवी कैमरों में अपराध साफ–साफ कैद होने के बावजूद अब तक अभियोग दर्ज नहीं किया गया है। पीड़ित नारायण दास के अनुसार वह 23 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे डाकघर से अपने खाते से 30 हजार रुपये निकालकर रामकिशन मिशन हॉस्पिटल के पास स्थित भारतीय स्टेट बैंक पहुंचा। दोपहर करीब 12 बजे उसने ई–रिक्शा खरीदने के लिए बैंक से 40 हजार रुपये और निकाले। दोनों स्थानों से निकाली गई कुल 70 हजार रुपये की रकम उसने कपड़े के एक बैग में रख ली थी। बताया गया है कि बैंक के अंदर ही किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैग में ब्लेड मारकर रुपये निकाल लिए। जब नारायण ने पासबुक में एंट्री कराने के बाद बैग चेक किया तो उसमें एक भी रुपया नहीं था। स्पष्ट है कि चोरी की वारदात बैंक परिसर के भीतर ही अंजाम दी गई। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिस पर दोपहिया पीआरवी बैंक पहुंची। कुछ देर बाद मथुरा गेट पुलिस चौकी प्रभारी अरुण कुमार त्यागी भी मौके पर आए। पुलिस ने बैंक के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, जिनमें दो लड़कियां बैग में ब्लेड मारकर रुपये निकालते हुए साफ दिखाई दे रही हैं। इसके बावजूद सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित नारायण दास अब तक मुकदमा दर्ज कराने के लिए पुलिस चौकी के चक्कर काट रहा है। न तो एफआईओर दर्ज की गई है और न ही आरोपियों की गिरफ्तारी की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई दिखाई दे रही है। सवाल यह उठता है कि जब अपराध के सबूत पुलिस के सामने मौजूद हैं, सीसीटीवी फुटेज में आरोपी दिख रहे हैं, तब भी पीड़ित को न्याय क्यों नहीं मिल रहा? क्या पुलिस ऐसे मामलों में केवल औपचारिकता निभाकर फाइलें ठंडे बस्ते में डाल देती है?

पीड़ित न्याय के लिए पुलिस के चक्कर काटने को मजबूर

लायंस इंटरनेशनल क्लब श्री राधा दिल्ली का सराहनीय कदम

एम्बुलेंस को जनता के लिए समर्पित करते सुधीर शुक्ला एवं प्रीति होरा समेत अन्य पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। लायंस इंटरनेशनल क्लब "श्री राधा", दिल्ली (लायंस इंटरनेशनल से संबद्ध) के अध्यक्षीय कार्यकाल के अंतर्गत रोगी कल्याण सेवा समिति, सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय, वृन्दावन के सदस्य सुधीर शुक्ला के सहयोग से चिकित्सालय में उपलब्ध मारुति ओमनी एम्बुलेंस का रिपेयर, डेंटिंग एवं पेंटिंग कार्य पूर्ण कर उसे पुनः सुचारु एवं सुरक्षित रूप में तैयार कराया। इस एम्बुलेंस का लोकार्पण लायंस प्रीति होरा एवं सुधीर शुक्ला ने किय। इस कार्य में ललित गुप्ता, रत्ना गोयल, रीता गुप्ता एवं पूनम गोयल का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सीएमएस वंदना अग्रवाल, मैनेजर नंदिता चौहान, मधु शर्मा, ऋचा शर्मा, विनोद, लायंस शांता आदि उपस्थित थे।

एम्बुलेंस का जीर्णोद्धार कर चिकित्सालय को समर्पित

महाशिवरात्रि को लेकर सीओ एवं एसओ ने चकलेश्वर का निरीक्षण किया

चकलेश्वर महादेव मंदिर के सेवायत से जानकारी लेते सीओ अनिल कुमार सिंह और एसओ भगवत सिंह।

संवाददाता

यूनिक समय, गोवर्धन। महाशिवरात्रि पर बाहर से आने वाले कांवड़िया श्रद्धालुओं द्वारा गोवर्धन के चकलेश्वर और लोटेश्वर आदि महादेव मंदिरों में जल अभिषेक किया जाएगा। जल अभिषेक कर कावड़िया श्रद्धालु कामा कामेश्वर मंदिर जल अभिषेक के लिए प्रस्थान करेंगे हैं। इस बीच गोवर्धन में बाहर से गिरिराज जी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की भी भीड़ बनी रहेंगी। शिवरात्रि पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा को देखते हुए क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह ने उनके पैदल आवागमन के मार्गो का निरीक्षण किया। मुख्य चकलेश्वर महादेव मंदिर पर थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह के साथ जाकर मंदिर परिसर का निरीक्षण किया साथ ही मंदिर के सेवायतों को भी श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए दिशा निर्देश दिए। मंदिर परिसर के बाहर मानसी गंगा के चारों तरफ भी बेरिकेड लगाने के निर्देश दिए, जिससे कोई अप्रिय घटना ना घटे। जल अभिषेक करने के बाद श्रद्धालु मंदिर के बाहर से नगर पंचायत वाले मार्ग द्वारा बरसाना रोड पर निकलेंगे, जिसके बीच में काफी समय से सड़क पर बड़ा गड्ढा बना हुआ था, जिसको नगर पंचायत ने अभी फिलहाल अस्थाई रूप से भरवा दिया है।

मीडिया कर्मियों से बात करते हुए सीओ ने बताया कि हमारा उद्देश्य महाशिवरात्रि पर्व पर बाहर से आने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित करना है। सीओ और थाना प्रभारी ने चकलेश्वर महादेव पर जल चढ़ाकर पूजा अर्चना भी की।

सोनई में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त

यूनिक समय, मथुरा। जिले के कस्बा सोनई में सड़क किनारे बढ़ते अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। हाथरस मार्ग पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस ग्राम पंचायत थोक वृंदावनी और थोक सुमेरा क्षेत्र के उन व्यापारियों को दिए गए हैं, जिन्होंने सड़क के दोनों ओर अस्थायी व स्थायी कब्जा कर रखा है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटा लें। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह मार्ग कांवड़ यात्रा के दौरान अत्यंत संवेदनशील हो जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसी रास्ते से गुजरते हैं, जिससे यातायात का दबाव बढ़ता है। सड़क किनारे अवैध कब्जों के कारण जाम और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि तय समय में अतिक्रमण नहीं हटाने पर बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी।

हाथरस मार्ग के दुकानदारों को नोटिस

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

होली को लेकर नगर निगम जुटा तैयारियों में

श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता सड़कों व चौराहों का होगा सौंदर्यीकरण

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने विश्व विख्यात होली पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए नगर निगम के सभी अधिकारियों एवं विभाग अध्यक्ष के साथ बैठक ली। बैठक के दौरान नगर निगम स्तर से की जाने वाली मूलभूत सुविधाओं सफाई व्यवस्था, पेयजलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय 24 घण्टे खुले रहने, शौचालयों पर कर्मचारियों की तैनाती, पेचवर्क, सीवर ओवर फ्लो न हो आदि हेतु बेहतर प्रबन्ध किये जाने के निर्देश दिये गये। समस्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुये अपने पर्यवेक्षण में कार्य कराया जाने के निर्देश दिये गये। होली पर ब्रज में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन पहुंचते हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए नगर आयुक्त ने समस्त अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि नगर क्षेत्र के सभी प्रमुख मार्गों, मंदिरों से जुड़े समस्त मार्गों एवं सभी मंदिर परिसरों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शिफ्ट-वाइज सफाई का कार्य कराया जाए। इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जलकल विभाग को निर्देशित किया गया है कि नगर क्षेत्र में कहीं भी पेयजल लीकेज अथवा सीवर ओवरफ्लो की समस्या उत्पन्न न हो। इसके लिए नियमित निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त किया जाए। निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि मंदिरों से जुड़े मार्गों एवं सभी प्रमुख सड़कों पर यदि कहीं गड्ढे अथवा क्षतिग्रस्त मार्ग हों तो उनका तत्काल पैचवर्क कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही नगर क्षेत्र में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिरों से

होली की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

नगर आयुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

जुड़े सभी मार्गों एवं प्रमुख सड़कों पर स्ट्रीट लाइट्स को पूर्ण रूप से दुरुस्त रखा जाए, जिससे रात्रि के समय भी आवागमन सुचारू बना रहे। इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त ने नगर के प्रमुख तिराहों एवं चौराहों के सौंदर्यीकरण के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को नगर में सुखद एवं सकारात्मक अनुभूति प्राप्त हो सके। बैठक में अपर नगर आयुक्त चन्द्र प्रकाश पाठक, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, महाप्रबन्धक (जल), मुख्य अभियन्ता सिविल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक अभियंता, अवर अभियंता उपस्थित थे।

विधायक ने मांट क्षेत्र के मुद्दों को विधानसभा में उठाया

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी ने ब्रज क्षेत्र विशेषकर मांट क्षेत्र के विकास को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने क्षेत्र की आधारभूत समस्याओं से लेकर किसानों और धार्मिक पर्यटन तक कई महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन के सामने रखा। मंडी समिति निर्माण की मांग की।

विधायक ने मांट और नौहझील क्षेत्र की लंबे समय से लंबित समस्याओं का उल्लेख करते हुए, सड़कों के चौड़ीकरण और ग्रामीण संपर्क मार्गों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए बजट में प्रावधान किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क से व्यापार शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। राजकीय डिग्री कॉलेज खोले जाने की भी उन्होंने आवाज उठाई। उन्होंने यमुना नदी के तटीय इलाकों में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने की

विधानसभा में बोलते हुए विधायक राजेश चौधरी।

आवश्यकता पर बल दिया। नहरों की सफाई और अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की मांग दोहराते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर खाद और बिजली उपलब्ध कराना आवश्यक है जिससे खेती लाभकारी बन सके। मथुरा जिले का उल्लेख करते हुए विधायक ने मांट और सुरीर क्षेत्र को मथुरा-वृंदावन पर्यटन सर्किट से जोड़ने की मांग की। उनका कहना था कि ब्रज पर्यटन के विस्तार से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

विजया एकादशी पर क्षीरसागर में उमड़ी आस्था

शेषशायी क्षीरसागर मंदिर में दर्शन की झांकी।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता क्षेत्र स्थित शेषशायी क्षीरसागर मंदिर में विजया एकादशी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। फाल्गुन कृष्ण पक्ष की इस एकादशी पर भक्तों ने भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के शेषनाग पर शयन करते दिव्य स्वरूप के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में सुबह से ही भजन-कीर्तन और संकीर्तन का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने परिक्रमा

शेषशायी रूप में विराजे लक्ष्मी नारायण

लगाई। जगह-जगह भंडारों का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया। महंत श्री श्री 1008 श्री राम दास ने विजया एकादशी का महत्व समझा। पर्व के मद्देनजर मंदिर परिसर और आसपास यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात के बाद हेमामालिनी को उम्मीद

आने वाले समय में मथुरा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, दिल्ली/मथुरा। मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में हुई इस औपचारिक भेंट को आगामी संगठनात्मक परिवर्तनों और मथुरा जनपद के विकास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शिष्टाचार भेंट के दौरान सांसद हेमा मालिनी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। ब्रज क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं के समन्वय और आगामी कार्यक्रमों को लेकर दोनों नेताओं के बीच सार्थक संवाद हुआ। हेमा मालिनी ने क्षेत्र में संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं के मनोबल को लेकर भी अपनी बात रखी। मुलाकात का मुख्य केंद्र मथुरा जनपद का सर्वांगीण विकास रहा। सांसद ने मथुरा में चल रही केंद्र और

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात करती मथुरा की सांसद हेमामालिनी।

राज्य सरकार की बड़ी परियोजनाओं की प्रगति से राष्ट्रीय अध्यक्ष को अवगत कराया। इस दौरान क्षेत्र को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र बनाने की दिशा में नए प्रोजेक्ट्स तथा सड़क, रेल और स्थानीय परिवहन सुविधाओं में सुधार के साथ साथ मथुरा की जनता की मूलभूत समस्याओं का त्वरित समाधान पर भी वार्ता हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ मुलाकात को मथुरा की राजनीति और विकास के लिहाज से हेमा मालिनी ने विश्वास जताया कि केंद्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में मथुरा आने वाले समय में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

टीईटी को लेकर फिर बढ़ रही शिक्षकों में नाराजगी

यूनिक समय, मथुरा। देश और प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के बाद केंद्र सरकार द्वारा राहत न दिए जाने से एक बार फिर शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। वर्तमान संसद के बजट सत्र में उन्हें राहत की उम्मीद थी लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी है। ऐसे में अलग-अलग शिक्षक संगठन फिर से आंदोलन की राह पर हैं। एक तरफ जहां टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) की ओर से प्रदेश भर में शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी का पुतला फूंका गया था। वहीं टीईटी अनिवार्यता के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ही शिक्षा मंत्रालय द्वारा सही ठहराने पर शिक्षक नेताओं ने विरोध किया है।

सुजीत वर्मा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के टीईटी अनिवार्यता पर दिए गए आदेश के लगभग 6 महीने बाद भी केंद्र सरकार की ओर से शिक्षकों को राहत देने की प्रक्रिया नहीं शुरू की गई। उन्होंने कहा कि यह शिक्षकों के साथ धोखा व अन्याय है।

शिक्षाविद् जगदीश पाठक ने कहा कि 20-25 वर्ष की सेवाएं दे चुके शिक्षक अब टीईटी में शामिल होंगे। 23 अगस्त 2010 के पहले नियुक्त शिक्षकों को इस अनिवार्यता से राहत दी जाए। उन्होंने सभी शिक्षक-कर्मचारी संगठनों से इस मुद्दे पर एकजुट होकर लड़ाई के लिए आने का आह्वान किया।

शिक्षक नेता सुरेंद्र मित्तल ने कहा कि अब केंद्र सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। इसके लिए जल्द सभी संगठनों की बैठक कर व्यापक आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

अजित सिंह ने किसानों की आवाज को संसद तक मजबूती से पहुंचाया

सालोद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. अजीत सिंह की जयंती पर हवन करते रालोद के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल के जिला कार्यालय में किसानों के मसीहा स्व. चौधरी अजीत सिंह की जयंती मनाई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह भरंगर ने की। उन्होंने स्व. चौधरी अजीत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि चौधरी अजीत सिंह ने किसानों, मजदूरों और गरीब वर्ग के हक की लड़ाई जीवनभर लड़ी। उन्होंने किसानों की आवाज को संसद तक मजबूती से पहुँचाया। वे सिद्धांतों के प्रति अडिग और विकास के प्रति समर्पित नेता थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की समस्याओं को लेकर उनका संघर्ष सदैव याद किया जाएगा। वक्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में राजेंद्र सिंह सिकरवार, डॉ यशपाल सिंह बघेल, रामवीर सिंह भरंगर, प्रीतम सिंह प्रमुख, सुरेश भगतजी, डॉ. अशोक अग्रवाल, मुकेश प्रमुख राया, धनेंद्र अग्रवाल बाबी, रविंद्र नरवार, जीतेन्द्र सिंह उर्फ जीतू सिंह, डॉ. प्रेम कुमार दरोगा, डॉ. महावीर सिंह, जयवीर सिंह, रनधीर सिंह प्रधान बनसै, अमित गुर्जर तथा कदीर भाई आदि उपस्थित थे।

माध्यमिक शिक्षा परिषद ने परीक्षा के लिए जारी किए सुझाव

परीक्षा का उद्देश्य 'अंकों का अंबार' लगाना नहीं बल्कि 'सोच का विस्तार' करना है

मॉनीटरिंग सेंटर में कम्यूटर पर परीक्षा केंद्र की जांच करते एक स्टाफ।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा /प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होंगी। परिषद ने परीक्षार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन संबंधी सुझाव जारी किए हैं ताकि विद्यार्थी भयमुक्त और तनावमुक्त रहकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कहा गया कि परीक्षा को अवसर मानें दबाव नहीं। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अब शेष समय में पाठ्यक्रम की सुनियोजित पुनरावृत्ति करें। परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यक्रम व मॉडल प्रश्नपत्रों का भी लाभ उठाएं। पढ़ाई के दौरान आने वाली समस्याओं को विषयवार नोट कर संबंधित अध्यापकों से समाधान लें। इसके अलावा परिषद के संचालित टोल फ्री नंबर 1800–180–5310 व 1800–180–5312 पर भी संपर्क कर सकते हैं। परिषद ने स्पष्ट किया है कि परिषद के उप सचिव व मनोवैज्ञानिक डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा केवल प्रश्नपत्र हल करने की प्रक्रिया नहीं बल्कि विद्यार्थियों के धैर्य, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व की भी परीक्षा है। शिक्षा का उद्देश्य 'अंकों का अंबार' लगाना नहीं बल्कि 'सोच का विस्तार' करना है। परीक्षा एक उत्सव है। उत्तर पुस्तिका उनका भविष्य तय नहीं करती केवल उनकी वर्तमान तैयारी को दर्शाती है। कठिन विषयों को सुबह पढ़ें, 50 मिनट अध्ययन के बाद 10 मिनट का 'ब्रेन ब्रेक' लें और गहरी सांस लेने का अभ्यास अपनाने की सलाह दी। यह अभ्यास तनाव को काफी हद तक कम करता है। डॉ. त्रिपाठी ने अभिभावकों से अपील की कि वे घर का वातावरण सहयोगी और सकारात्मक रखें। बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि माता-पिता का प्रेम अंकों पर आधारित नहीं है। उन्होंने कम से कम सात घंटे की नींद लेने पर जोर दिया। लिखने का नियमित अभ्यास परीक्षा में अभिव्यक्ति की गति बढ़ाता है। परीक्षा केंद्र जाते समय 'मैंने मेहनत की है और अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा' जैसे विचार आत्मविश्वास को मजबूत करता है। परीक्षा संबंधी मानसिक तनाव की स्थिति में टेली–मानस हेल्पलाइन सेवा के टोल फ्री नंबर 14416 व 800–891–4416 (24 घंटे उपलब्ध) पर संपर्क कर मदद ले सकते हैं।

यूपी बोर्ड की परीक्षा में तीसरी आंख की होगी नजर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ आगरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा में नकल रोकने के लिए जिला स्तर पर पांच सदल दलों का गठन किया गया है। मंडल स्तर पर पांच सचल दलों का गठन पहले हो चुका है। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. मुकेश अग्रवाल ने बताया कि हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा लिए मंडल स्तर और जिला स्तर पर पांच–पांच सचल दलों का गठन किया गया है। जिला स्तर पर पांच सचल दल जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित किए गए हैं। ये सभी दल परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। जीआईसी कॉलेज में मॉनीटरिंग के लिए सेंटर बनाया गया है। यहां लगे कैमरे सभी परीक्षा केंद्रों पर नजर रखेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र सिंह ने मॉनीटरिंग सेंटर पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

कान्हा ने ब्रजभूमि में चार धामों के साथ सभी तीर्थों को भी किया स्थापित: विजयकृष्ण

श्रीजी की चुनरी पहनाकर भागवत ब्यास का सम्मान करते पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा।

संवाददाता

यूनिक समय, बरसाना। गांव भरनाकलां में स्व. गौरीशंकर पांडेय की स्मृति में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस की कथा में भागवत मर्मज्ञ पंडित विजय कृष्ण शास्त्री ने श्रीकृष्ण की जन्म लीला एवं भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की कथा का वृतांत सुनाया। कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने जो कहा है,वह हमें मानना चाहिए और भगवान श्रीराम जी ने जो किया उसका हमें अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे लाला कान्हा ने हम ब्रजवासियों पर अपनी असीम कृपा करते हुए, ब्रजभूमि में चारो धाम के साथ संसारभर के तीर्थों को ब्रजभूमि में स्थापित कर ब्रज का पृथ्वीलोक पर मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अब ब्रजवासियों को अपने ब्रज को छोड़कर कहीं भी जाने जरूरत नहीं है। भागवत भास्कर विजय कृष्ण ने कहा कि कलयुग में मन से संत भगवान व गोमाता की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है।

उन्होंने कहा कि गर्गाचार्य जी पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने भागवत ब्यास कृष्ण हरि शास्त्री का लाडली जी की ओढ़नी पहनाकर अभिनंदन किया। इस मौके पर श्यामसुंदर पांडेय, होतीलाल शर्मा, वासुदेव पांडेय, रेवती रमण पांडेय, पवन द्रौपदी देवी, श्रीमती राधा देवी, श्रीमती राजेश्वरी देवी, हेमा पाण्डेय, हर्ष, प्रशांत एवं सिद्धि पाण्डे आदि मौजूद थे।

बीएसए इंजीनियरिंग के 14 होनहारों को मिला प्रतिष्ठित मिंडा ग्रुप में रोजगार

चयनित छात्रों के साथ संस्था के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल एवं अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षण संस्थान बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बी.टेक अंतिम वर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के 14 मेधावी छात्रों का चयन विख्यात कंपनी जेएनएस इंस्ट्रूमेंटेशन (मिंडा कॉरपोरेशन लिमिटेड) में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के पद पर हुआ है। कंपनी मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल क्षेत्र में डैशबोर्ड, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, फ्यूल लेवल गेज, स्पीड सेंसर सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्माण करती है। चयनित छात्रों में आदित्य बघेल, अनुज गर्ग, कौशल, मोहिनी कुमारी, रागिनी ठाकुर, तान्या शर्मा, देवेश पाल, अंश मिश्रा, अंशुल मिश्रा, हेमंत कुमार, पलक शुक्ला, रितिका डारिंग, तेजस नौलखा एवं साक्षी व्यास शामिल हैं। इन सभी को एस.एम.टी., प्रोडक्शन तथा रिसर्च एंड डेवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण विभागों में नियुक्ति दी गई है। संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल एवं वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल ने स्वयं उपस्थित होकर चयनित छात्र–छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने इसे कॉलेज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह छात्रों की मेहनत, संकाय के मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है।

ईसीई विभागाध्यक्ष विनय गुप्ता ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं निरंतर बढ़ रही हैं और छात्रों को तकनीकी दक्षता के साथ उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। निदेशक प्रो. डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल एवं रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कॉलेज छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों में आकर्षक पैकेज पर रोजगार प्राप्त हो सके।

मनरेगा के प्रस्तावित बदलावों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

यूनिक समय, बलदेव (मथुरा)। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा में प्रस्तावित बदलावों के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बलदेव से महावन तहसील तक पैदल मार्च निकाला और एसडीएम महावन कंचन गुप्ता को राष्ट्रपति के नाम चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने किया। उन्होंने कहा कि मनरेगा को विश्व के कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने एक अनुकरणीय और प्रभावी योजना माना है। यह योजना ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार और सम्मानजनक जीवन का आधार बनी है। श्री धनगर ने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान मनरेगा की उपयोगिता और भी स्पष्ट हुई, जब लाखों प्रवासी श्रमिक गांव लौटे। उस समय इस योजना ने लगभग 4.6 करोड़ परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया और करोड़ों कार्य दिवस सृजित किए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों, तालाबों और अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों का निर्माण हुआ, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। सौंपे गए ज्ञापन में चार प्रमुख मांगें रखी गई हैं। पहली मांग के तहत मनरेगा में कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाने, प्रत्येक ग्रामीण को रोजगार की गारंटी देने, पूरी मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और जवाबदेही तय करने की बात कही गई है। दूसरी मांग में हाल में किए गए बदलावों को तत्काल वापस लेने की अपील की गई है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्कूल में सरोजिनी नायडू को श्रद्धांजलि

ग्राम बरका स्थित श्री सरस्वती जूनियर हाईस्कूल में राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व छात्र–छात्राएं।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता क्षेत्र के ग्राम बरका स्थित श्री सरस्वती जूनियर हाईस्कूल में आज राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। छात्र–छात्राओं ने 'भारत की कोकिला' के नाम से प्रसिद्ध सरोजिनी नायडू की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्था के संचालक रामेश्वर शर्मा ने सरोजिनी नायडू के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। छात्राओं ने भाषण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के महत्व को समझाया।

राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट में 'बियॉन्ड द कोड' पर दो दिवसीय कार्यशाला

आईटी में हाई–इम्पैक्ट जॉब्स से निखरेंगी कम्युनिकेशन स्किल्स

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट में बीसीए, बीएससी एवं बी.कॉम अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एनआईआईटी फाउंडेशन द्वारा इन्फोसिस के सहयोग से "बियॉन्ड द कोडः आईटी में हाई इम्पैक्ट जॉब्स के लिए कम्युनिकेशन" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता के साथ आवश्यक नॉन–टेक्निकल स्किल्स से सशक्त बनाना रहा। रिसोर्स पर्सन प्रथम कौशिक एवं आकांक्षा गुप्ता (एनआईआईटी फाउंडेशन) तथा ड्यूकैट के डेटा साइंटिस्ट प्रतीक गुप्ता ने बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी आईटी क्षेत्र में केवल कोडिंग पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रभावी संवाद, टीमवर्क और समस्या समाधान की क्षमता सफलता की कुंजी है। उन्होंने वास्तविक इंडस्ट्री उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया कि सही कम्युनिकेशन किसी भी प्रोजेक्ट की दिशा और परिणाम को प्रभावित करता है। कार्यशाला में एक्टिव लिसनिंग, स्पष्ट एवं संक्षिप्त लिखित संचार, ईमेल और तकनीकी डॉक्यूमेंटेशन की उपयोगिता, सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज तथा आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। "स्टार्ट विद व्हाई" की अवधारणा के माध्यम से प्रेजेंटेशन की प्रभावी शुरुआत, जटिल विषयों को एनालॉजी द्वारा सरल बनाना तथा ऑडियंस के अनुसार कंटेंट अनुकूलित करने की रणनीतियां भी समझाई गईं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने कहा कि ऐसे इंडस्ट्री–ओरिएंटेड कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यक्षेत्र की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। आर.के. एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल एवं डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को आईटी क्षेत्र में सफलता के टिप्स देती एनआईआईटी फाउंडेशन की आकांक्षा गुप्ता।

लापता बाबा कृपा शंकर दास का दो माह से कोई सुराग नहीं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा–वृंदावन मार्ग स्थित गौतम ब्राह्मण समाज की मां बंगलामुखी मंदिर में करीब 35 वर्ष से सेवा पूजा कर रहे बाबा कृपा शंकर दास करीब दो माह से लापता हैं। उनका अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। लोगों का कहना है कि काफी खोज करने के बाद भी बाबा का कोई सुराग नहीं लग पाया है। कोतवाली में गुमशुदगी भी दर्ज करा दी गई। समझ नहीं आ रहा है कि बाबा कृपा शंकर दास महाराज आखिर कहां है। उनको आसमान निगल गया या फिर जमीन निगल गई। मंदिर में सेवा पूजा करने के लिए आने वाले भक्त हर रोज बाबा का इंतजार करते हैं।

40 के बाद हड्डियों को मजबूत रखने के चार जरूरी उपाय

बदलते मौसम में महिलाओं की घटती बोन डेंसिटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फरवरी के बदलते मौसम में ठंडी हवाएं, नमी और तापमान में उतार–चढ़ाव शरीर पर सीधा असर डालते हैं। खासकर 40 से 65 वर्ष की महिलाओं में इस दौरान हड्डियों में अकड़न, जलन, कमर दर्द और घुटनों की परेशानी बढ़ जाती है। इसका एक बड़ा कारण मेनोपॉज के आसपास होने वाले हार्मोनल बदलाव हैं। इस चरण में एस्ट्रोजन हार्मोन तेजी से कम होने लगता है, जो हड्डियों में कैल्शियम बनाए रखने के लिए जरूरी होता है। इसके घटने से बोन डेंसिटी प्रभावित होती है और ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ सकता है।

क्यों बढ़ती है समस्या? हार्मोनल बदलाव: मेनोपॉज के बाद हड्डियों की मजबूती तेजी से कम हो सकती है।

विटामिन डी की कमी: सर्दियों में धूप कम मिलने से शरीर कैल्शियम ठीक से अवशोषित नहीं कर पाता।

कम फिजिकल एक्टिविटी: ठंड के कारण चलना–फिरना कम हो जाता है, जिससे हड्डियों पर जरूरी दबाव नहीं पड़ता।

साइलेंट डिजीज: ऑस्टियोपोरोसिस के लक्षण अक्सर तब तक सामने नहीं आते जब तक फ्रैक्चर न हो जाए। अगर सुबह उठते ही शरीर में जकड़न, पैरों में जलन या बार–बार थकान महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह संकेत हो सकता है कि आपकी हड्डियों को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत है।

हड्डियों को मजबूत रखने के 4 असरदार तरीके

रोज लें धूप: सुबह की हल्की धूप में कम से कम 15-20 मिनट बैठें। इससे शरीर को प्राकृतिक विटामिन डी मिलता है, जो कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है।

एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाएं: हफ्ते में 2-3 दिन वेट–बेयरिंग एक्सरसाइज जैसे तेज चलना, सीढ़ियां चढ़ना, स्क्वाट्स या योग करें। इससे हड्डियों पर हल्का दबाव पड़ता है, जो बोन डेंसिटी बढ़ाने में सहायक है।

कैल्शियम युक्त आहार: डाइट में दूध, दही, पनीर, तिल, हरी पत्तेदार सब्जियां, बादाम और गुड़ शामिल करें। साथ ही प्रोटीन और मैग्नीशियम भी हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

नियमित जांच कराएं: 45 वर्ष के बाद बोन डेंसिटी टेस्ट कराना समझदारी भरा कदम है। समय रहते जांच से हड्डियों की कमजोरी को शुरुआती चरण में पहचाना जा सकता है और उचित उपचार लिया जा सकता है।

सैलरी से जुड़े सवाल पर झिझक से बचें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर बातचीत के दौरान "आप कितनी सैलरी कमाते हैं?" जैसा सवाल लोगों को असहज कर देता है। इस प्रश्न का जवाब देते समय सीधे प्रतिक्रिया देने के बजाय परिस्थिति और सामने वाले व्यक्ति के इरादे को समझना अधिक समझदारी भरा कदम माना जाता है। हर किसी को अपनी आय बताना जरूरी नहीं होता, इसलिए जवाब सोच–समझकर देना बेहतर रहता है।

सबसे पहले यह समझने की कोशिश करें कि सामने वाला व्यक्ति यह सवाल क्यों पूछ रहा है। कई बार लोग अपनी सैलरी से तुलना करने, आपके सामाजिक या पेशेवर स्तर का अंदाजा लगाने या करियर से जुड़ी सलाह देने के उद्देश्य से ऐसा पूछते हैं। यदि आपको लगे कि सामने वाला व्यक्ति वास्तव में मार्गदर्शन देना चाहता है, तो आप अपनी सैलरी या पैकेज के बारे में खुलकर बात कर सकते हैं।

अगर आपकी आय अच्छी है और उसे साझा करने में आपको कोई परेशानी नहीं है, तो इसे बताने से आपके प्रति भरोसा और सम्मान की भावना भी बढ़ सकती है। वहीं, यदि आपकी सैलरी अपेक्षाकृत कम है और आप इसे सीधे बताने में सहज नहीं हैं, तो आप अपने कुल पैकेज या कंपनी द्वारा मिलने वाले अन्य लाभों–जैसे इंश्योरेंस, बोनस, भत्ते या सुविधाओं–का जिक्र कर सकते हैं। इससे आपकी पेशेवर छवि भी सकारात्मक बनी रहती है। यदि आप अपनी आय के बारे में चर्चा नहीं करना चाहते, तो विनम्रता से जवाब टालना भी एक अच्छा विकल्प है। आप कह सकते हैं कि आप अपनी कमाई से संतुष्ट हैं या ठीक–ठाक कमा रहे हैं। इस तरह सामने वाला व्यक्ति आपके संकेत को समझ जाता है। सैलरी से जुड़े सवालों का जवाब देते समय आत्मविश्वास और समझदारी बनाए रखना जरूरी है। सही और संतुलित प्रतिक्रिया आपकी गरिमा बनाए रखने के साथ–साथ आपकी पेशेवर छवि को भी मजबूत बनाती है।

वजन घटाने के लिए हेल्दी मूंग दाल स्प्राउट्स

यूनिक समय, मथुरा। वजन घटाने के लिए हेल्दी और पौष्टिक नाश्ते की बात हो तो मूंग दाल स्प्राउट्स एक बेहतरीन विकल्प माने जाते हैं। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर साबुत मूंग दाल शरीर को ऊर्जा देने के साथ पाचन को बेहतर बनाती है और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करती है। मूंग दाल के स्प्राउट्स घर पर आसानी से तैयार किए जा सकते हैं। स्प्राउट्स बनाने के लिए साबुत मूंग दाल को रातभर पानी में भिगो दें। सुबह दाल का पानी निकालकर उसे सूती या मलमल के कपड़े में बांधकर 1–2 दिन के लिए गर्म जगह पर रख दें। बीच–बीच में दाल सूखी लगे तो हल्का पानी छिड़क दें। करीब दो दिन में दाल में अंकुर निकल आते हैं और स्प्राउट्स तैयार हो जाते हैं। अंकुरित मूंग दाल को कच्चा खाना सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें बारीक कटा खीरा, टमाटर, ककड़ी, प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया, उबले कॉर्न, चुकंदर और पनीर मिलाकर स्वादिष्ट सलाद तैयार किया जा सकता है। ऊपर से चाट मसाला, काला नमक और नींबू का रस डालने से इसका स्वाद और बढ़ जाता है। मीठा स्वाद पसंद करने वाले लोग मूंग दाल स्प्राउट्स में सेब, अंगूर और अनार जैसे फल मिलाकर भी खा सकते हैं। इसमें खीरा, चुकंदर और पनीर भी डाला जा सकता है, जबकि प्याज और टमाटर का इस्तेमाल नहीं किया जाता। अगर कच्चे स्प्राउट्स पसंद न हों तो इन्हें हल्का उबाल या फ्राई करके भी खाया जा सकता है। सरसों के तेल या बटर में प्याज, टमाटर और हरी मिर्च के साथ स्प्राउट्स पकाकर हेल्दी और स्वादिष्ट नाश्ता तैयार किया जा सकता है। नियमित सेवन से वजन नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

प्रोटीन और फाइबर से भरपूर

सुविचार

जिंदगी एक शिक्षक की तरह होती है जो समय समय पर सबकी परीक्षा लेती है !

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	07:27-09:49 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	07:55-10:52 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		7:03 AM	चन्द्रोदय	02:11 AM
सूर्यास्त		6:08 PM	चंद्रास्त	12:28 PM
सूर्य राशि		मकर राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:27-06:15
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	9:48PM-11:12PM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

गोमेद रत्न : किस राशि के लिए भाग्यशाली और किनके लिए सावधानी जरूरी?

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक ग्रह का एक विशेष रत्न बताया गया है। राहु ग्रह का रत्न गोमेद माना जाता है, जो गार्नेट समूह का प्रमुख पत्थर है। इसका रंग शहद जैसा या पीला-भूरा होता है। यह रत्न मुख्य रूप से भारत, श्रीलंका और अफ्रीका में पाया जाता है। मान्यता है कि सही विधि से धारण किया गया गोमेद राहु के नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। हालांकि, इसे बिना विशेषज्ञ सलाह के पहनना उचित नहीं माना जाता।

किन राशियों के लिए शुभ माना जाता है गोमेद? ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला और कुंभ राशि के जातकों के लिए गोमेद लाभकारी हो सकता है। इन राशियों के स्वामी ग्रहों का राहु के साथ अपेक्षाकृत अनुकूल संबंध माना गया है। इसके अलावा मकर राशि या मकर लग्न वाले लोगों को भी यह रत्न विशेष रूप से करियर और पद-प्रतिष्ठा के मामलों में सहयोग दे सकता है। पश्चिमी ज्योतिष में भी मिथुन राशि के लिए हेसोनाइट को बर्थस्टोन के रूप में देखा जाता है। हालांकि, हर व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, इसलिए केवल राशि के आधार पर निर्णय लेना पर्याप्त नहीं होता। कुंडली में राहु की स्थिति और दशा-अंतर्दशा का भी विचार आवश्यक है।

कब देता है विशेष लाभ? यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु तीसरे, छठे, दसवें या ग्यारहवें भाव में स्थित हो, तो गोमेद धारण करना शुभ फलदायी माना जाता है। ऐसी स्थिति में यह रत्न धन लाभ, प्रतिस्पर्धा में सफलता और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। राजनीति, वकालत, शेयर बाजार, आईटी, मीडिया और जोखिम से जुड़े व्यवसायों में कार्यरत लोगों के लिए भी इसे उपयोगी बताया गया है। यह निर्णय क्षमता को मजबूत करने और अवसरों को पहचानने में मददगार माना जाता है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

गोमेद पहनने के प्रमुख फायदे- गोमेद को राहु के अशुभ प्रभावों को शांत करने वाला रत्न माना जाता है। इसे धारण करने से करियर और व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि की संभावना बढ़ती है। मानसिक तनाव, भय और बेचैनी में कमी आ सकती है। कुछ मान्यताओं के अनुसार यह पेट से जुड़ी समस्याओं और पुराने दर्द में राहत देने में सहायक हो सकता है। साथ ही आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को भी मजबूत करता है। यह व्यक्ति को गलत संगति और बुरी आदतों से दूर रखने में मददगार माना जाता है।

गोमेद पहनने के नियम और सावधानियां- गोमेद को शनिवार के दिन चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वाकर मध्यमा उंगली में पहनने की परंपरा है। इसे मूंगा, पुखराज, माणिक्य या मोती के साथ पहनने से बचना चाहिए। धारण करने से पहले इसे गंगाजल या कच्चे दूध से शुद्ध किया जाता है और "ॐ रां राहवे नमः" मंत्र का जाप किया जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बिना किसी अनुभवी ज्योतिष विशेषज्ञ की सलाह के गोमेद धारण नहीं करना चाहिए, क्योंकि गलत तरीके से पहना गया रत्न लाभ के बजाय हानि भी पहुंचा सकता है।

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

कल का राशिफल

मेष राशि: दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में लाभ होगा। समाज में यश, मान और सम्मान में बढ़ोतरी होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी, लेकिन लोगों का व्यवहार आपके लिए निराशाजनक रहेगा।

वृषभ राशि: दिन शुभ फलदायी रहेगा। आपकी सूझबूझ से कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा। परिजनों और मित्रों से भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं।

मिथुन राशि: दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ होगा और धनप्राप्ति के योग रहेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंता भी रहेगी।

कर्क राशि: दिन सामान्य रहेगा। अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह बखूबी कर सकेंगे। सिर दर्द की समस्या परेशान कर सकती है।

सिंह राशि: दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बन रहे हैं, लेकिन अनावश्यक और व्यर्थ खर्चे भी अधिक रहेंगे, जिससे परिवार में कलह हो सकती है।

कन्या राशि: दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। सामाजिक कार्यों में सुयश मिलेगा और समाज में प्रतिष्ठा व प्रभाव की बढ़ोतरी होगी।

तुला राशि: दिन मिला-जुला रहेगा। धन प्राप्ति के योग बनेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से चिंतित रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यभार की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक राशि: दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा रहेगा। पारिवारिक सुख और धन में बढ़ोतरी होगी। समाज के कार्यों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

मकर राशि: दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में लाभ प्राप्ति के योग हैं। आर्थिक निवेश फायदेमंद होगा। धन संबंधित कार्य पूरे होंगे। मानसिक शांति की तलाश में अध्यात्म से जुड़ने का मौका मिलेगा।

धनु राशि: दिन शुभ रहेगा। परिवार में सुख और धन की वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन का योग बन सकता है। खान का ध्यान रखेंगे तो सेहत अच्छी रहेगी।

कुंभ राशि: दिन मिला-जुला रहेगा। धनप्राप्ति के योग रहेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्चों की भी अधिकता रहेगी। खराब सेहत की वजह से आप अपने जरूरी कामों को नहीं कर पाएंगे।

मीन राशि: दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है। कारोबार में नई योजनाओं की शुरुआत हो सकती है। अच्छी दिनचर्या की वजह से अपने स्वास्थ्य में सुधार आएगा, लेकिन बाहर का खाना खाने से आपको बचना होगा।

काशी विश्वनाथ यात्रा गाइड: दर्शन का समय, आरती और जरूरी नियम

यूनिक समय, मथुरा। काशी को भगवान शिव की नगरी कहा जाता है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इसका विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि काशी में गंगा स्नान के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने से पापों का नाश होता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, काशी दुनिया का सबसे प्राचीन जीवित शहर है और यहां मृत्यु होने पर भगवान शिव स्वयं मोक्ष प्रदान करते हैं।

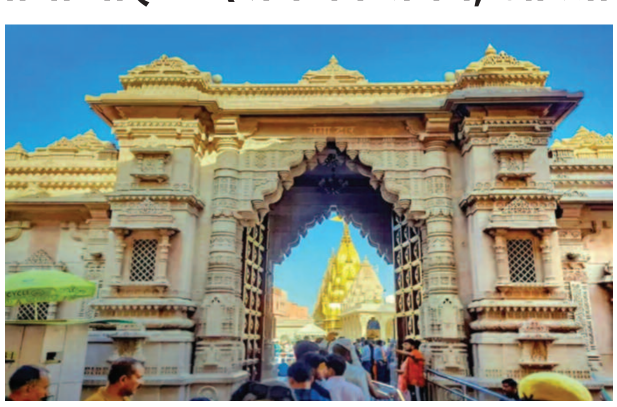

दर्शन का समय और आरती- मंदिर प्रतिदिन सुबह 4 बजे खुलता है। सबसे पहले मंगला आरती होती है। सामान्य दर्शन दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक किए जा सकते हैं (भीड़ और विशेष अवसरों पर समय में बदलाव संभव है)। सुबह और शाम का समय दर्शन के लिए अधिक शुभ और अपेक्षाकृत शांत माना जाता है।

दर्शन की प्रक्रिया- दर्शन के लिए भक्तों को मंदिर परिसर के बाहर कतार में लगना होता है। प्रसाद आप बाहर की दुकानों से खरीद सकते हैं। मंदिर में प्रवेश से पहले सुरक्षा जांच अनिवार्य है। जांच के बाद गर्भगृह में प्रवेश कर शिवलिंग के दर्शन किए जाते हैं। भीड़ अधिक होने पर धैर्य बनाए रखें। मंदिर परिसर में शराब, धूम्रपान और मांसाहार सख्त वर्जित है।

काशी के प्रमुख घाट- दशाश्वमेध घाट, यहां शाम की भव्य गंगा आरती विश्व प्रसिद्ध है। अस्सी घाट, 'सुबह ए-बनारस' और सुबह की आरती के लिए मशहूर। मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट, इन्हें महाश्मशान घाट कहा जाता है। नमो घाट, आधुनिक सुविधाओं और विशाल नमस्ते शिल्प के लिए प्रसिद्ध।

आसपास घूमने की जगहें- काल भैरव मंदिर, काशी के कोतवाल माने जाते हैं; इनके दर्शन के बिना यात्रा अधूरी मानी जाती है। संकट मोचन हनुमान मंदिर, प्राचीन हनुमान मंदिर, जहां श्रद्धालु विशेष रूप से मंगलवार और शनिवार को पहुंचते हैं। काशी विश्वनाथ यात्रा आस्था, आध्यात्मिकता और परंपरा का अनूठा अनुभव है। सही जानकारी और नियमों का पालन कर आप अपनी यात्रा को सुखद और सफल बना सकते हैं।

सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में बनेगा मां जानकी का भव्य मंदिर, 3.5 साल में होगा तैयार

यूनिक समय, मथुरा। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब देशभर में धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। इसी क्रम में बिहार के सीतामढ़ी जिले स्थित पुनौरा धाम में मां जानकी (सीता) के भव्य मंदिर निर्माण की तैयारी तेज हो गई है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पुनौरा धाम वही पावन स्थान है जहां माता सीता का जन्म हुआ था। अब इस ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाले स्थल को अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

अयोध्या के बाद अब सीतामढ़ी की बारी- साल 2024 में राम मंदिर, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था, सुव्यवस्थित दर्शन प्रणाली और आधुनिक सुविधाओं ने अयोध्या को एक बड़े धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है। इसी प्रेरणा से अब बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में मां जानकी का विशाल मंदिर बनाने की योजना को गति दी जा रही है। यह परियोजना न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ी है, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

42 महीनों में पूरा होगा निर्माण कार्य- जानकारी के अनुसार, इस भव्य जानकी मंदिर के निर्माण में लगभग 42 महीने यानी करीब साढ़े तीन साल का समय लगेगा। मंदिर का डिजाइन पहले ही तय किया जा चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी तैयार है। प्रारंभिक चरण में भूमि सीमांकन, समतलीकरण और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य शुरू कर दिए गए हैं। उम्मीद है कि शुरुआती तैयारियां लगभग छह महीने में पूरी हो जाएंगी, जिसके बाद मुख्य मंदिर निर्माण कार्य गति पकड़ेगा। निर्माण प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी ताकि समयसीमा का पालन सुनिश्चित हो सके।

बुनियादी ढांचे में सुधार, जलजमाव की समस्या का समाधान- मंदिर निर्माण में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर कई कदम उठाए जा रहे हैं। जिस क्षेत्र में पहले जलजमाव की समस्या थी, वहां सुधार कार्य लगभग पूरा किया जा चुका है। मंदिर तक पहुंचने वाली मुख्य सड़क की मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई परेशानी न हो। इसके अलावा, आसपास की सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य यह है कि मंदिर परिसर सुव्यवस्थित और सुरक्षित वातावरण प्रदान कर सके।

धार्मिक पर्यटन का नया केंद्र बनेगा पुनौरा धाम- पुनौरा धाम पहले से ही आस्था का केंद्र रहा है, लेकिन भव्य मंदिर निर्माण के बाद इसकी पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होने की उम्मीद है। जैसे अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, वैसे ही सीतामढ़ी में भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। मां जानकी का यह मंदिर न केवल श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना का स्थल होगा, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गतिविधियों का भी प्रमुख केंद्र बन सकता है। यहां धार्मिक कार्यक्रम, प्रवचन, उत्सव और सांस्कृतिक आयोजन नियमित रूप से आयोजित किए जा सकेंगे।

रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा- मंदिर निर्माण और उसके बाद बढ़ने वाले पर्यटन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। होटल, धर्मशाला, परिवहन, प्रसाद एवं पूजा सामग्री की दुकानों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय कारीगरों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों के लिए यह परियोजना आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हो सकती है। इससे क्षेत्र की समग्र आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी और सीतामढ़ी की पहचान एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित होगी।

सम्पादकीय

एआई भ्रमजाल पर सख्त लगाम

डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने अभिव्यक्ति, संचार और रचनात्मकता को अभूतपूर्व गति दी है, लेकिन इसके साथ ही डीपफेक, फर्जी फोटो-वीडियो और भ्रामक सामग्री का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। हाल के वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें एआई जनित कंटेंट ने व्यक्तिगत प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द और चुनावी माहौल तक को प्रभावित किया। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में किया गया संशोधन एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में देखा जाना चाहिए।

नए प्रावधानों के तहत 20 फरवरी से एआई द्वारा तैयार फोटो और वीडियो पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही, ऐसे कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ना भी आवश्यक किया गया है। यह कदम डिजिटल पारदर्शिता की दिशा में अहम माना जा सकता है। इससे आम उपयोगकर्ता यह समझ सकेगा कि जो सामग्री उसके सामने है, वह वास्तविक है या तकनीक की सहायता से निर्मित।

पवन गौतम
संपादक

भ्रामक प्रचार और अफवाहों के दौर में यह स्पष्टता अत्यंत आवश्यक है। सबसे उल्लेखनीय बदलाव फेक कंटेंट हटाने की समय सीमा को 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे करना है। सोशल मीडिया के तीव्र प्रसार वाले दौर में कुछ ही घंटों में झूठ व्यापक रूप से फैल सकता है। ऐसे में त्वरित कार्रवाई की अनिवार्यता डिजिटल सुरक्षा को मजबूत कर सकती है। विशेष रूप से चुनाव, सांप्रदायिक संवेदनशीलता या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में यह प्रावधान लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा में सहायक सिद्ध हो सकता है। हालांकि, केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं है। चुनौती इनके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की संख्या और रोजाना अपलोड होने वाले कंटेंट की मात्रा अत्यधिक है। ऐसे में निगरानी तंत्र को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पहचान प्रणालियों को सुदृढ़ करना और उल्लंघन की स्थिति में स्पष्ट जवाबदेही तय करना आवश्यक होगा। यदि प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुपालन में ढिलाई बरतते हैं, तो दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही नागरिकों की डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हर वायरल वीडियो या तस्वीर को सत्य मान लेने की प्रवृत्ति समाज को भ्रमित करती है। उपयोगकर्ताओं को स्रोत की जांच, संदर्भ की समझ और तथ्य सत्यापन की आदत विकसित करनी होगी। सरकार, तकनीकी कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों के संयुक्त प्रयास से ही जागरूक डिजिटल संस्कृति विकसित की जा सकती है। एआई अपने आप में न तो पूर्णतः शुभ है, न अशुभ; उसका प्रभाव उसके उपयोग पर निर्भर करता है। आवश्यक है कि तकनीकी नवाचार और नागरिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाया जाए। नए संशोधन इस संतुलन की दिशा में एक कदम हैं, बशर्ते उन्हें दृढ़ता और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए।

नजरिया

रिश्तों का क्षरण और संवेदनहीन होती आधुनिकता

– अजय राजपूत

हाल ही में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हुई एक घटना ने समाज को भीतर तक झकझोर दिया। एक युवती द्वारा अपने ही पिता की हत्या की खबर ने केवल आपराधिक दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी कई प्रश्न खड़े कर दिए। सामान्य परिस्थितियों में पिता और पुत्री का संबंध अत्यंत स्नेह, विश्वास और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में जब इसी रिश्ते के भीतर हिंसा जन्म लेती है, तो यह केवल एक अपराध नहीं रहता बल्कि सामाजिक ताने–बाने में दरार का संकेत बन जाता है।

प्रारंभिक जानकारी में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई। बाद में जो संकेत मिले, उन्होंने स्थिति को और जटिल बना दिया। यदि किसी रिश्ते के भीतर 'बैड टच' या शोषण जैसी आशंका भी हो, तो वह घटना केवल कानून का मामला नहीं रह जाती; वह समाज की आत्मा को चोट पहुंचाती है। यह समझना आवश्यक है कि किसी भी अपराध के पीछे कई स्तरों पर कारण सक्रिय होते हैं-मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक।

आज का समाज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने मनोरंजन और अभिव्यक्ति के नए आयाम खोले हैं। लेकिन इनके माध्यम से जो सामग्री व्यापक रूप से प्रसारित हो रही है, उसने संबंधों की पारंपरिक समझ को भी प्रभावित किया है। कई कार्यक्रमों और कथानकों में रिश्तों की पवित्रता की बजाय केवल भौतिक आकर्षण और तात्कालिक इच्छाओं को प्रमुखता दी जाती है। जब युवा पीढ़ी लगातार ऐसे चित्रण देखती है, तो उनके मानस पर उसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है।

यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि हर अपराध का कारण आधुनिक मीडिया है। किंतु यह भी अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि सांस्कृतिक प्रभाव धीरे-धीरे सोच और व्यवहार को आकार देते हैं। जब परिवार में संवाद कम होता है और डिजिटल स्क्रीन का समय अधिक, तब भावनात्मक दूरी बढ़ती है। रिश्तों की गहराई आपसी संवाद, विश्वास और सुरक्षा की भावना से बनती है; यदि ये तत्व कमजोर पड़ते हैं, तो संबंधों का ढांचा भी डगमगाने लगता है। पिछले कुछ वर्षों में यौन शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए कई अभियान चले। इन अभियानों ने अनेक पीड़ितों को बोलने का साहस दिया। परंतु साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि परिवार जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली संस्था के भीतर भी कई बार भय और चुप्पी की दीवारें खड़ी होती हैं। यदि किसी लड़की को अपने ही घर में असुरक्षा महसूस होती है, तो यह समाज के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है। अपराधी चाहे परिवार का सदस्य हो या बाहरी व्यक्ति, अपराध की प्रकृति समान रूप से निंदनीय है। इस घटना को केवल 'अपसंस्कृति' या 'पश्चिमी प्रभाव' का परिणाम बताकर हम अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। समस्या कहीं अधिक गहरी है। परिवारों में बच्चों के साथ खुला संवाद, यौन शिक्षा की स्वस्थ और वैज्ञानिक समझ, और सुरक्षित वातावरण की गारंटी अत्यंत आवश्यक है। अक्सर शर्म और झिझक के कारण संवेदनशील विषयों पर चर्चा नहीं होती, जिससे पीड़ित भीतर ही भीतर टूटता रहता है। समाज में बढ़ती संवेदनहीनता भी एक चुनौती है। अपराध की खबरें कुछ समय के लिए सुर्खियां बनती हैं, फिर हम उन्हें भूल जाते हैं। परंतु प्रत्येक घटना के पीछे टूटे हुए जीवन, बिखरे हुए परिवार और मनोवैज्ञानिक आघात की लंबी कहानी होती है। हमें यह समझना होगा कि केवल कानून कड़ा करने से समस्या समाप्त नहीं होगी। कानून भय पैदा कर सकता है, परंतु नैतिकता और संवेदनशीलता परिवार और समाज के संस्कारों से आती है। शिक्षण संस्थानों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालय और महाविद्यालय केवल अकादमिक ज्ञान देने के केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण के स्थल हैं। वहां बच्चों को सम्मानजनक व्यवहार, लैंगिक समानता, व्यक्तिगत सीमाओं और अधिकारों की शिक्षा दी जानी चाहिए।

डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही जरूरी है, ताकि युवा यह समझ सकें कि स्क्रीन पर दिखाई देने वाली हर चीज वास्तविकता का प्रतिनिधित्व नहीं करती। मीडिया की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। अपराध की रिपोर्टिंग में सनसनी से अधिक संवेदनशीलता आवश्यक है। पीड़ित की गरिमा और निजता की रक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। समाज को तथ्य चाहिए न कि उत्तेजना। जब हम किसी त्रासदी को तमाशा बना देते हैं, तो अनजाने में हम संवेदनहीनता को ही बढ़ावा देते हैं। अंततः प्रश्न यह है कि रिश्तों की रक्षा कैसे हो। इसका उत्तर किसी एक नीति या उपदेश में नहीं बल्कि सामूहिक प्रयास में निहित है। परिवारों को संवाद का वातावरण बनाना होगा, बच्चों को यह भरोसा देना होगा कि वे बिना भय अपनी बात कह सकते हैं।

समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि पीड़ित को दोषी न ठहराया जाए और प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि आधुनिकता का अर्थ मूल्यहीनता नहीं है। तकनीक और आधुनिकता को दोष देना सरल है, परंतु समाधान कठिन। हमें संतुलन साधना होगा-जहां प्रगति भी हो और संवेदनशीलता भी। रिश्ते केवल रक्त संबंध नहीं, बल्कि विश्वास और मर्यादा की डोर से बंधे होते हैं। यदि यह डोर कमजोर पड़ती है, तो समाज का आधार भी हिलने लगता है। कोरबा की घटना एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते संवाद, संस्कार और संवेदना की ओर नहीं लौटे तो ऐसे प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़े होंगे। आधुनिकता को अपनाते हुए भी मानवीय मूल्यों की रक्षा करना ही सच्ची प्रगति है।

विचार विण्डो

संसदीय आश्वासनों की जवाबदेही क्यों है कमजोर

– विजय तिवारी

लोकतंत्र में शब्द केवल अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व भी होते हैं। संसद के भीतर किसी मंत्री द्वारा दिया गया आश्वासन सामान्य बयान नहीं माना जाता; वह सरकार की आधिकारिक प्रतिबद्धता होता है। इसलिए जब ये आश्वासन समय के साथ अधूरे रह जाते हैं या "परिस्थितियों" के हवाले कर दिए जाते हैं, तो प्रश्न केवल किसी एक मंत्री पर नहीं, बल्कि पूरी संसदीय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर उठता है।

महात्मा गांधी ने वचन की नैतिक शक्ति पर बल दिया था। उनका मानना था कि यदि प्रतिज्ञा पूरी न हो सके तो उसका नैतिक मूल्य समाप्त हो जाता है। स्वतंत्र भारत में यह अपेक्षा रही है कि जनता द्वारा चुनी गई सरकारें अपने कथनों और वादों के प्रति अधिक सजग होंगी। स्वतंत्रता के बाद विभिन्न सरकारों-चाहे वह जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में रही हों या वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए और कई वादे पूरे भी किए। किंतु इसके साथ यह भी सच है कि संसद में दिए गए अनेक आश्वासन वर्षों तक लंबित रहते हैं या बाद में निरस्त कर दिए जाते हैं। संसद की कार्यवाही के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल या विभिन्न विधेयकों पर चर्चा के समय सदस्य जब किसी मुद्दे को उठाते हैं, तो संबंधित मंत्री अक्सर जांच, सुधार या नीति-निर्माण का आश्वासन देते हैं। इन आश्वासनों की निगरानी के लिए 'सरकारी आश्वासन समिति' (कमेटी ऑन गवर्नमेंट एश्योरेंसेज) का गठन

किया गया। लोकसभा में यह व्यवस्था 1953 से और राज्यसभा में 1972 से लागू है। इन समितियों में मंत्री सदस्य नहीं होते, ताकि निष्पक्ष समीक्षा संभव हो सके। नियमों के अनुसार संबंधित मंत्रालय को तीन महीने के भीतर आश्वासन पर कार्रवाई करनी होती है। यदि समय पर पालन न हो सके तो विस्तार का अनुरोध किया जा सकता है या कारण प्रस्तुत किए जा सकते हैं। यहीं से समस्या शुरू होती है। समय-विस्तार की अनुमति और स्पष्टीकरण की व्यवस्था कई बार ऐसी ढाल बन जाती है, जिसके पीछे वास्तविक प्रगति की कमी छिप जाती है। परिणामस्वरूप आश्वासन "लंबित" की सूची में चले जाते हैं और जनता को यह पता ही नहीं चलता कि उनकी स्थिति क्या है। उदाहरण के तौर पर काले धन की वापसी, भीड़ हिंसा पर ठोस नीति, सीमा सुरक्षा के लिए स्मार्ट फेंसिंग, या किसी बड़े आतंकी हमले की जांच जैसे मुद्दों पर दिए गए आश्वासन समय-समय पर चर्चा में रहे हैं। कई मामलों में गोपनीयता, अंतरराष्ट्रीय जटिलताओं या तकनीकी अड़चनों का हवाला दिया गया। यह संभव है कि कुछ विषय वास्तव में जटिल हों, परंतु सवाल यह है कि क्या आश्वासन देते समय उन जटिलताओं का अनुमान नहीं लगाया जाता?

लोकतंत्र में पारदर्शिता केवल चुनावी घोषणापत्र तक सीमित नहीं हो सकती। संसद के भीतर दिया गया हर वचन सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा होता है। यदि उस पर अमल नहीं होता, तो जनता को स्पष्ट, तर्कसंगत और विस्तृत स्पष्टीकरण मिलना चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में आश्वासन समितियां अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत तो करती हैं, लेकिन उनकी टिप्पणियों का प्रभाव सीमित रहता है। वे केवल स्थिति का उल्लेख करती हैं; कड़ी आलोचना या दंडात्मक अनुशंसा का अधिकार उनके पास व्यावहारिक रूप से नहीं है।

समाधान क्या हो सकता है? पहला कदम यह है कि आश्वासन समितियों को अधिक अधिकार दिए जाएं। यदि कोई मंत्रालय बार-बार समय-विस्तार लेता है या संतोषजनक प्रगति नहीं दिखाता, तो समिति को स्पष्ट टिप्पणी करने और संसद में उस पर विस्तृत चर्चा कराने का अधिकार मिलना चाहिए। दूसरा, सभी लंबित आश्वासनों की स्थिति सार्वजनिक पोर्टल पर अद्यतन रूप में उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि नागरिक स्वयं देख सकें कि उनके प्रतिनिधियों ने क्या कहा था और क्या किया। तीसरा, समय-सीमा के उल्लंघन पर औपचारिक जवाबदेही तय हो। यह जरूरी नहीं कि हर मामले में दंडात्मक कार्रवाई हो, परंतु कम-से-कम यह दर्ज हो कि विलंब के लिए कौन उत्तरदायी है। चौथा, स्थायी समितियों और आश्वासन समिति के बीच समन्वय और मजबूत किया जाए, ताकि विषयगत विशेषज्ञता के आधार पर प्रगति का मूल्यांकन हो सके। संसद की गरिमा केवल बहस की तीक्ष्णता से नहीं, बल्कि वादों की विश्वसनीयता से बनती है। जनता यह मानकर प्रतिनिधि चुनती है कि वे सदन में उसकी आवाज बनेंगे और सरकार से जवाब मांगेंगे।

यदि वही आश्वासन कागजों में सिमट जाएं, तो लोकतांत्रिक भरोसा कमजोर होता है। अंततः यह समझना होगा कि हर मंत्री, हर सांसद और हर दल संसद में अपने प्रदर्शन से पहचाना जाता है। कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न नहीं चाहता। आवश्यकता केवल सशक्त नियमों की नहीं, बल्कि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। जब आश्वासन शब्द भर न रहकर दायित्व बनेंगे, तभी संसद में किए गए वादों का वास्तविक अर्थ स्थापित होगा।

टी20 विश्व कप में भारत का धमाका

41 गेंदों में टीम शतक, 12 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के 18वें मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने नामीबिया को 93 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। भारत ने इस मैच में महज 41 गेंदों में 100 रन पूरे कर विश्व कप इतिहास का सबसे तेज टीम शतक लगाने का नया कीर्तिमान बना दिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 209 रन बनाए। जवाब में नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। 12 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा भारत ने 6.5 ओवर में 100 रन पूरे कर नीदरलैंड्स का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले 2014 में नीदरलैंड्स ने

आयरलैंड के खिलाफ 42 गेंदों में टीम शतक लगाया था। अब यह रिकॉर्ड भारत के नाम दर्ज हो गया है। ईशान किशन और संजू सैमसन की विस्फोटक शुरुआत ओपनर ईशान किशन और संजू सैमसन ने टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। सैमसन ने 8 गेंदों में 22 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के शामिल थे। वहीं ईशान किशन ने 24 गेंदों में 61 रनों की शानदार पारी खेली। उन्होंने 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ईशान किशन टी20 विश्व कप में पावरप्ले के अंदर अर्धशतक बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा और केएल राहुल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। पावरप्ले में बना नया कीर्तिमान भारत ने पावरप्ले के छह ओवर में 86 रन बनाए, जो टी20 विश्व कप में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर है। साथ ही, मौजूदा टूर्नामेंट में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया यह सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर भी है।

'ओ रोमियो' का सिनेमाघरों में धमाका

शाहिद कपूर की दमदार वापसी पर फैंस फिदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओ रोमियो सिनेमाघरों में रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गई है। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पहले दिन से ही दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और इंस्टाग्राम पर फिल्म को लेकर दर्शकों के रिएक्शन लगातार सामने आ रहे हैं, जिनमें कहानी, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय की जमकर सराहना की जा रही है।

फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। इसके अलावा नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल जैसे कलाकारों की मौजूदगी ने फिल्म को और मजबूत बनाया है। यह शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की चौथी संयुक्त परियोजना है, जिसे दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

पहले दिन के दर्शकों ने फिल्म को रोमांस और हाई–वोल्टेज एक्शन का बेहतरीन मिश्रण बताया है। कई दर्शकों ने इसे 'मास एंटरटेनर' करार देते हुए शाहिद कपूर के अभिनय की विशेष प्रशंसा की। एक यूजर ने फिल्म को 4.5 स्टार देते हुए इसे ब्लॉकबस्टर बताया, जबकि अन्य दर्शकों ने तृप्ति डिमरी के प्रभावशाली अभिनय और नाना पाटेकर की दमदार भूमिका की सराहना की। कुछ समीक्षकों ने फिल्म को 'गैंगस्टर रोमांस' की प्रभावी प्रस्तुति बताया है।

बॉक्स ऑफिस के शुरुआती रुझान भी फिल्म के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म की एडवांस बुकिंग में 1.18 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं, जिससे लगभग 3.27 करोड़ रुपये की कमाई का अनुमान है। आरक्षित सीटों को जोड़ने पर यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। करीब 60 से 65 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म शाहिद कपूर के करियर के लिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि उनकी पिछली बड़ी सफलता कबीर सिंह रही थी। शुरुआती प्रतिक्रियाओं को देखते हुए दर्शक उम्मीद जता रहे हैं कि 'ओ रोमियो' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए साल की बड़ी हिट फिल्मों में शामिल हो सकती है।

धोनी की फिल्म से मिली नई राह

उस्मान तारिक का अनोखा एक्शन बना भारत के लिए खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के बीच पाकिस्तान टीम को एक नया तुरुप का इक्का मिल गया है। 28 वर्षीय रहस्यमयी स्पिन गेंदबाज उस्मान तारिक अपनी अलग तरह की गेंदबाजी शैली के कारण चर्चा में हैं। 15 फरवरी को होने वाले भारत–पाकिस्तान मुकाबले से पहले उनकी गेंदबाजी भारतीय बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है।

उस्मान ने टूर्नामेंट में अब तक एक मुकाबला खेला है और तीन विकेट हासिल किए हैं। उनका बाजू नीचे से घूमकर आने वाला अंदाज और गेंद छोड़ने से पहले हल्का ठहराव बल्लेबाजों को उलझन में डाल देता है। गेंद कभी धीमी गति से आती है तो कभी अचानक तेज होकर घूम जाती है, जिससे उसे समझ पाना आसान नहीं होता। दोहरी कोहनी है खासियत उस्मान तारिक ने एक

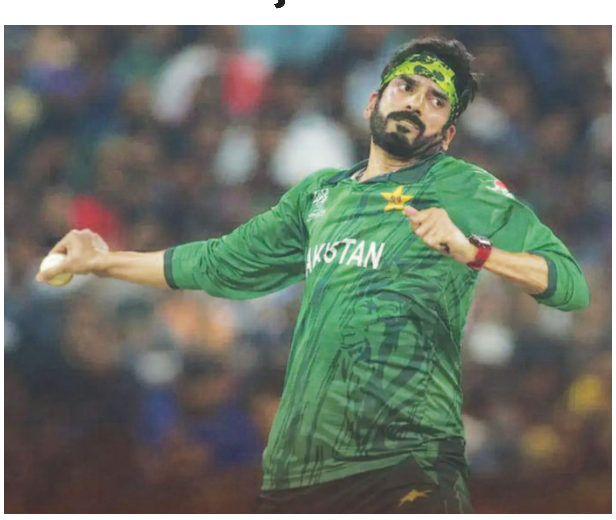

साक्षात्कार में बताया था कि उनकी बाजू में दो जोड़ (दोहरी कोहनी) हैं, जिसके कारण उनका हाथ स्वाभाविक रूप से मुड़ता है। जांच के बाद उन्हें खेल प्राधिकरण से हरी झंडी मिल चुकी है। यही शारीरिक बनावट उनके गेंदबाजी अंदाज को अलग बनाती है और उन्हें अन्य स्पिनरों से खास बनाती है।

धोनी की जीवनकथा से मिली प्रेरणा उस्मान पहले दुबई में विक्रेता की नौकरी करते थे, लेकिन क्रिकेट खेलने का सपना अधूरा था। इसी दौरान उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित फिल्म 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' देखी। फिल्म से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और पाकिस्तान लौटकर क्रिकेट पर पूरा ध्यान लगाया।

27 वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले उस्मान अब तक पाकिस्तान के लिए चार टी20 मुकाबलों में 11 विकेट ले चुके हैं। उनकी औसत रन गति 5.93 रही है और वह एक पारी में चार विकेट लेने का कारनामा भी कर चुके हैं। भारत के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले में उस्मान तारिक पाकिस्तान के लिए अहम हथियार साबित हो सकते हैं। भारतीय बल्लेबाजों के सामने उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी को समझना बड़ी परीक्षा होगी।

रणवीर सिंह को धमकी

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य पर संदेह, जांच तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता रणवीर सिंह को मिले धमकी भरे ध्वनि संदेश मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस को संदेह है कि यह संदेश कथित तौर पर हैरी बॉक्सर ने भेजा, जो लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया जा रहा है। 10 फरवरी को रणवीर के प्रबंधक को एक संदेश सेवा के माध्यम से ध्वनि संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें एक करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई और गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। प्रारंभिक जांच में आवाज हैरी बॉक्सर से मिलती–जुलती पाई गई है। ध्वनि नमूना विधि विज्ञान प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, संदेश भेजने वाले ने अपनी पहचान छिपाने के लिए आभासी निजी तंत्र का उपयोग किया और उसका स्थान विदेश में पाया गया है। मामले की जांच में अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन की सहायता ली जा रही है।

धमकी के बाद रणवीर सिंह के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस संदेश के स्रोत, दूरभाष क्रमांक और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन पड़ताल कर रही है। यह मामला हाल ही में रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई गोलीबारी और आयुष शर्मा को मिले धमकी संदेश से भी जुड़ा माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सभी घटनाओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राम चरण और उपासना कोनिडेला ने जुड़वां बच्चों के नाम का किया ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला ने 31 जनवरी को अपने जुड़वां बच्चों–एक बेटे और एक बेटी–का स्वागत किया था। अब इस कपल ने एक खास नामकरण समारोह के जरिए अपने नन्हे मेहमानों के नाम दुनिया के सामने रखे हैं। हैदराबाद स्थित उनके घर पर पारिवारिक रीति–रिवाजों के बीच आयोजित समारोह में बेटे का नाम शिवराम और बेटी का नाम अनवीरा देवी रखा गया।

एक इंटरव्यू में राम चरण ने बताया कि नामकरण उनके लिए बेहद निजी और आध्यात्मिक फैसला था। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में परिवार के बड़ों की भूमिका अहम रही। उनके मुताबिक, "शिवराम" नाम भगवान शिव और भगवान राम के आदर्शों का प्रतीक है–संयम के साथ शक्ति और धर्म के साथ भक्ति। साथ ही यह नाम उनके पिता चिरंजीवी के जन्म नाम शिव शंकर वर प्रसाद से भी जुड़ा है, जिससे वंश और परंपरा का सम्मान झलकता है।

वहीं बेटी का नाम "अनवीरा देवी" साहस और दिव्य नारी शक्ति का प्रतीक बताया गया है। "वीरा" वीरता को दर्शाता है और "अन" उसे असीम बनाता है, जबकि "देवी" शक्ति और कृपा के संतुलन का संकेत देता है। राम चरण ने कहा कि ये नाम सिर्फ पहचान नहीं, बल्कि बच्चों के लिए शक्ति, प्रेम और साहस का आशीर्वाद हैं।

मां बनने के अनुभव पर उपासना ने साझा किया कि दूसरी बार मातृत्व पहले से अधिक शांत और संतुलित महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब वह छोटी–छोटी बातों पर घबराती नहीं हैं और बच्चों के लिए स्थिरता, नियमित दिनचर्या और बिना शर्त प्यार को सबसे अहम मानती हैं। गौरतलब है कि इस कपल की पहली बेटी क्लिन कारा का जन्म जून 2023 में हुआ था। जून 2012 में शादी के बंधन में बंधे राम और उपासना अब तीन बच्चों के माता–पिता बन चुके हैं और इस नए चरण का आनंद ले रहे हैं।

वाराणसी कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी

जिला जज के ई-मेल पर आया संदेश, परिसर खाली कराया गया

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बनारस कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई। यह धमकी जिला जज के आधिकारिक ई-मेल पर भेजी गई थी। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमा अलर्ट हो गया तथा एहतियातन कचहरी परिसर को खाली करा लिया गया। बताया जा रहा है कि देर रात करीब 1:30 बजे जिला जज के ई-मेल आईडी पर एक संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें खुद को आतंकवादी संगठन से जुड़ा बताते हुए कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सुबह जानकारी मिलते ही बार पदाधिकारियों की आपात बैठक बुलाई गई। अधिवक्ताओं से अपील की गई कि वे अपने-अपने चैंबर खाली कर दें और किसी भी संदिग्ध वस्तु की सूचना तत्काल दें। सूचना पर डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार और कैंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा पुलिस बल, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंचे। पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। सुरक्षाकर्मियों ने कोर्ट कक्षों, चैंबरों, पार्किंग और आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से जांच की। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सेंट्रल बार अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सिंह गौतम ने बताया कि जिला जज ने दोनों बार संघों के पदाधिकारियों को बुलाकर ई-मेल की जानकारी दी और एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। सुरक्षा कारणों से अधिकांश मामलों में अगली तारीख दे दी गई। उधर, साइबर सेल ई-मेल के स्रोत की जांच में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच की जा रही है और दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कचहरी परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

प्रयागराज में सिपाही समेत 11 पर केस, आठ हिरासत में

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र स्थित मड़ौका में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पिता की समाधि पर पेशाब करने से मना करने पर 45 वर्षीय ठेकेदार राजेश कुमार निषाद की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के बाद उनके मुंह में सरिया घुसेड़ दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना एक गेस्ट हाउस के पास हुई, जहां कनौजिया परिवार की शादी समारोह में बारात आई थी। कुछ लोग पास स्थित समाधि स्थल पर पेशाब कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे राजेश ने उन्हें ऐसा करने से रोका, जिस पर विवाद बढ़ गया। आरोपियों ने राजेश को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और बाद में शव को एक खाली प्लॉट में फेंक दिया। मृतक के भाई शेखर निषाद की तहरीर पर 11 लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें मऊमें तैनात एक सिपाही का नाम भी शामिल है। पुलिस ने देर

समाधि पर पेशाब से रोकने पर हत्या

रात दबिश देकर आठ आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। आरोपी सिपाही को भी भोर में जौनपुर से पकड़े जाने की जानकारी मिली है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मौके पर मौजूद 112 पुलिस के सामने मारपीट हुई, लेकिन गंभीर रूप से घायल राजेश को समय पर मदद नहीं मिली। मामले की जांच जारी है।

मेरठ में बंधक बनाकर लाखों की डकैती

यूनिक समय, मेरठ। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के सौंदत गांव में बृहस्पतिवार देर रात सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई। चार नकाबपोश बदमाशों ने एक घर में घुसकर परिवार को बंधक बना लिया और नगदी व सोने-चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए। विरोध करने पर 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट भी की गई। जानकारी के अनुसार, बदमाश सुनियोजित तरीके से इसरार के मकान में दाखिल हुए। उन्होंने घर में रखी सेफ और अलमारी खंगालकर करीब 17 लाख रुपये की नकदी और भारी मात्रा में जेवरात समेट लिए। इसी दौरान एक कमरे में सो रही बुजुर्ग महिला अल्ला की नींद खुल गई। आहट सुनकर जब उन्होंने शोर मचाने की कोशिश की तो एक बदमाश ने उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और मारपीट की। इसके बाद पूरे परिवार को बंधक बना लिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद

बुजुर्ग महिला से मारपीट, 40 लाख तक के नुकसान का अनुमान

आरोपी लाखों का सामान लेकर फरार हो गए। पीड़ित परिवार के मुताबिक, लूटे गए जेवर उनकी तीन पुत्रवधुओं के थे। कुल नुकसान 35 से 40 लाख रुपये के बीच बताया जा रहा है।
सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। डीआईजी कलानिधि नैथानी, एसएसपी अविनाश पांडे समेत अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बदमाशों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है।
घटना से गांव में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

आगरा में लापता छात्रा का शव यमुना किनारे मिला

यूनिक समय, आगरा। आगरा के एत्मादपुर थाना क्षेत्र में कक्षा नौ की 14 वर्षीय छात्रा का शव यमुना किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों ने अपहरण के बाद हत्या कर शव नदी में फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवार के अनुसार, 10 फरवरी की रात करीब 10 बजे किशोरी शादी समारोह के दौरान शौच के लिए खेत की ओर गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 11 फरवरी को गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने तलाश शुरू की। 12 फरवरी की रात करीब 12 बजे सुरहरा क्षेत्र में यमुना नदी के तनौरा घाट के पास उसका शव मिला। मृतका छह बहनों में सबसे छोटी थी। बड़े भाई का आरोप है कि बहन का अपहरण कर हत्या की गई।
घटनास्थल के पास खेत में घर की चाबी और चप्पल मिलीं, जबकि शॉल यमुना एक्सप्रेसवे के पास डिवाइडर पर पाई गई। स्थानीय लोगों ने भी अनहोनी की आशंका जताई है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

दो दिन से लापता बताए जा रहे मनोज यादव सफदरगंज में गिरफ्तार

यूनिक समय, लखनऊ। दो दिनों से संपर्क से बाहर चल रहे मनोज यादव को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। पुलिस ने उन्हें सफदरगंज क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह गिरफ्तारी स्थानीय पुलिस द्वारा की गई है और आगे की विधिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है। बीते दो दिनों से मनोज यादव के संपर्क में न होने को लेकर

पुलिस कार्रवाई से बदला घटनाक्रम

राजनीतिक और स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। परिजनों की ओर से भी चिंता जताई गई थी। उनकी पत्नी ने लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसके बाद मामला और चर्चा में आ गया था। इसी बीच सफदरगंज में पुलिस की कार्रवाई की सूचना सामने आई, जिसने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ की जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उनके खिलाफ किन धाराओं में कार्रवाई की गई है या मामला किस प्रकृति का है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय स्तर पर राजनीतिक हलचल तेज हो गई। समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच अलग-अलग तरह की चर्चाएं चल रही हैं। फिलहाल समाजवादी पार्टी की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से संबंधित सभी तथ्यों को सामने लाने के लिए जांच की जा रही है। आगे की स्थिति स्पष्ट होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

सपा विधायक ने भर्ती प्रक्रिया पर उठाए सवाल

यूपी विधानसभा में बेरोजगारी और आरक्षण पर तीखी बहस

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बेरोजगारी और आरक्षण का मुद्दा गरमा गया। समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने भर्ती प्रक्रिया में देरी और रिक्त पदों की पारदर्शिता को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में परीक्षा से लेकर अंतिम नियुक्ति तक तीन से चार वर्ष का समय लग जाता है, जिससे युवाओं का कीमती समय बर्बाद हो रहा है।
डॉ. सोनकर ने सदन में कहा कि प्रदेश का युवा मानसिक और आर्थिक दबाव में है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोगों द्वारा जारी की जाने वाली भर्तियों में स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती, जिससे अभ्यर्थियों को तैयारी में कठिनाई होती है। उन्होंने सरकार से पूछा कि कितने पद रिक्त हैं और उन्हें भरने की समयसीमा क्या है। उनके वक्तव्य के दौरान सदन में शोर-शराबा भी हुआ।
वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने जवाब देते हुए कहा कि यूपीपीएससी और एसएससी की भर्तियों का कैलेंडर जारी किया जाता है और वर्ष 2026 का कैलेंडर भी प्रकाशित हो चुका है। उन्होंने बताया कि 2017 के बाद से अब तक लगभग 47 हजार पदों पर नियुक्तियां की गई हैं और सभी में आरक्षण नियमों का पालन किया गया है। उनके वक्तव्य के बाद विपक्ष ने हंगामा किया, जिस पर विधानसभा अध्यक्ष को कुछ समय के लिए सदन से उठकर जाना पड़ा।
इससे पहले सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने बजट को भ्रष्टाचार और लूट को बढ़ावा देने वाला बताया। वहीं विधायक मनोज पांडेय ने कांग्रेस पर प्रभु श्रीराम के नाम से जुड़ी योजना का विरोध करने का आरोप लगाया।
उधर, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट को ग्रामीण विकास और समावेशी प्रगति की दिशा में अहम बताया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से गांवों में खुशहाली आएगी।
संभावना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर भी अपनी बात रखेंगे। सदन की कार्यवाही हंगामेदार रहने के आसार हैं।

लखनऊ के बंथरा में कार की टक्कर से मासूम की मौत, छात्र हिरासत में

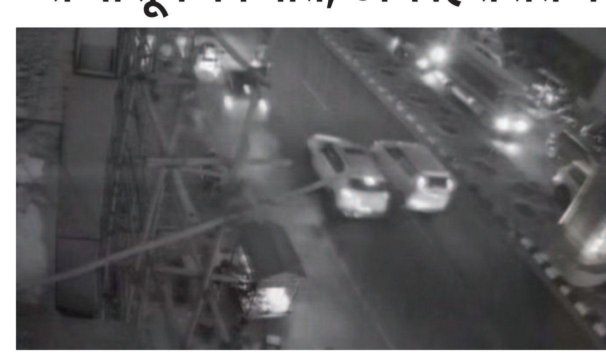

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार का खौफनाक मंजर सीसीटीवी में कैद हुआ है। फेयरवेल पार्टी से लौट रहे एक छात्र ने कथित रूप से लापरवाही से कार चलाते हुए पांच लोगों को टक्कर मार दी, जिसमें छह वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

घटना बृहस्पतिवार शाम की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार पहले एक बाइक से टकराई और उसके बाद अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े लोगों को रौंदती चली गई। कार ने एक ई-रिक्शा और ऑटो को भी टक्कर मारी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान गौरव सिंह (21) के रूप में हुई है, जो एक निजी विद्यालय में इंटर का छात्र है और उन्नाव जिले के सोहरामऊ क्षेत्र का निवासी है। बताया जा रहा है कि वह पार्टी से लौट रहा था। दुर्घटना के बाद कार का टायर फट गया, जिससे वाहन आगे नहीं बढ़ सका। आरोपी कार छोड़कर मौके से फरार हो गया था।

रात में पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार बरामद कर ली और शुक्रवार सुबह आरोपी को हिरासत में ले लिया। बंथरा थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मासूम बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सार संक्षेप

केजी अरुणराज ने पार्टी चीफ विजय को सेंगोल गिफ्ट दिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि केजी अरुणराज ने पार्टी के चीफ विजय को विशेष सेंगोल गिफ्ट भेंट किया। इस उपहार को राजनीतिक प्रतीक माना जा रहा है और इसे दोनों नेताओं के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कदम बताया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, यह भेंट एक औपचारिक समारोह में दी गई, जिसमें कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। यह गिफ्ट आगामी चुनाव और पार्टी संगठन में एक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

अकोला में घर में लगी भीषण आग, तीन की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के अकोला जिले के अड़गांव बुद्रुक गांव में गुरुवार शाम एक मकान में अचानक आग लग गई। इस भीषण हादसे में छह साल की बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई। फायर ब्रिगेड और पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आग इतनी तेज थी कि लोगों को बचाना मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग बिजली शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। प्रशासन ने मृतकों के परिवार को मुआवजा देने और सुरक्षा जांच शुरू करने की घोषणा की।

दिल्ली के स्कूलों को मिली बम धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के कई स्कूलों में बम की धमकी मिली है। सबसे पहले यह कॉल सुबह 9:13 बजे झंडेवालान स्थित बीडी तमिल एजुकेशन स्कूल को किया गया। पुलिस की विशेष टीमें तुरंत जांच के लिए मौके पर पहुंची और सभी स्कूलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। धमकी के कारण स्कूलों में अफरा-तफरी का माहौल बना। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए सभी स्थानों की जांच की जा रही है और बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता में रखी जा रही है।

मेडागास्कर में चक्रवात गेजानी का कहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंद महासागर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात गेजानी ने मेडागास्कर के तट पर भारी तबाही मचाई। अधिकारियों के अनुसार इस चक्रवात में 36 लोग मारे गए और हजारों घर पूरी तरह तबाह हो गए। तूफान के कारण कई क्षेत्रों में बिजली और संचार प्रणाली बाधित हो गई। राहत और बचाव कार्यों के लिए, सरकारी और गैर-सरकारी संगठन मौके पर पहुंचे हैं। स्थानीय लोग सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की और समुद्री गतिविधियों पर रोक लगा दी।

नोएडा में कार नाले में गिरी, कोई घायल नहीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर 70 में एक कार बेकाबू होकर नाले में गिर गई। हादसा होने के तुरंत बाद फेज तीन पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और कार को सुरक्षित निकाल लिया। इस घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। पुलिस ने कहा कि चालक की सतर्कता और सड़क की स्थिति में सावधानी की वजह से किसी को चोट नहीं आई। यह घटना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी और प्रशासन ने सड़क सुरक्षा पर चेतावनी जारी की।

नई राफेल डील से बढ़ेगी भारत की हवाई ताकत, मैक्रों दौरे पर बड़ा समझौता संभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने अपनी हवाई क्षमता मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने 114 नए राफेल लड़ाकू विमान की खरीद को मंजूरी दे दी है। 17 से 19 फरवरी तक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान इस सौदे को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इस रक्षा सौदे के बाद भारतीय वायुसेना की 200-250 किलोमीटर दूर तक सटीक मार करने की क्षमता और मजबूत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे रणनीतिक संतुलन में बड़ा बदलाव आ सकता है। वर्तमान में वायुसेना के पास 36 राफेल विमान पहले से मौजूद हैं, जबकि नए 114 विमानों के शामिल होने से कुल संख्या लगभग 150 तक पहुंच सकती है। सौदे के तहत 18 विमान तैयार हालत में मिलेंगे, जबकि शेष 96 का निर्माण भारत में तकनीकी हस्तांतरण (टेक्नोलॉजी ट्रांसफर) मॉडल के तहत किया जाएगा।

इसमें 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देते हुए भारतीय कंपनियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। करीब 3.25 से 3.60 लाख करोड़ रुपये के इस संभावित सौदे को अब सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। माना जा रहा है कि यह समझौता भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देगा और वायुसेना की स्क्वाड्रन क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

तमिलनाडु में महिलाओं के खातों में 5000 ट्रांसफर

सीएम स्टालिन का बड़ा चुनावी दांव

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। राज्य सरकार ने 'विमेंस राइट्स ग्रांट' के तहत 1.31 करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में एकमुश्त 5000 रुपये ट्रांसफर किए हैं। इसमें फरवरी, मार्च और अप्रैल के लिए अग्रिम 3000 और 2000 रुपये का विशेष पैकेज शामिल है। स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि यह महिलाओं से किया गया वादा है और सरकार किसी भी बाधा के बावजूद इसे जारी रखेगी। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि दोबारा सत्ता में आने पर महिलाओं को मिलने वाली मासिक राशि 1000 से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दी जाएगी। राज्य में विधानसभा चुनाव अप्रैल में संभावित है और मौजूदा सरकार का कार्यकाल 10 मई को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएं हाल के वर्षों में चुनावी सफलता का अहम कारक रही हैं। मध्य प्रदेश, झारखंड और अन्य राज्यों में ऐसी योजनाओं को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। स्टालिन की यह पहल भी इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य महिला मतदाताओं को साधना और आगामी चुनाव में बढ़त हासिल करना है।

बेंगलुरु के पास भीषण सड़क हादसा सात लोगों की मौके पर मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। होसकोटे के बाहरी इलाके में हुई इस दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और कई परिवारों की खुशियां पलभर में उजड़ गईं।

पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना होसकोटे-दबासपेटे नेशनल हाईवे पर एम सत्यवारा गांव के पास हुई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, होसकोटे से देवनहल्ली की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने सामने चल रही बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सामने से आ रहे एक कैंटर से जा भिड़ी।

इसी दौरान एक अन्य कार भी इस हादसे की चपेट में आ गई, जिससे टक्कर और भी भयानक हो गई। दुर्घटना में कार में सवार छह लोगों और बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

'वंदे मातरम' सर्कुलर पर जमीअत उलमा-ए-हिंद की आपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'वंदे मातरम' को लेकर जारी सर्कुलर पर जमीअत उलमा-ए-हिंद ने चिंता जताई है। संगठन के महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी ने कहा कि किसी भी नागरिक को उसकी धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध किसी पाठ के लिए बाध्य करना संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिली धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इस्लाम तौहीद यानी एकेश्वरवाद पर आधारित है, जहां अल्लाह के सिवा किसी और की इबादत की अनुमति नहीं है। उनका तर्क है कि 'वंदे मातरम' के कुछ छंदों में पूजा या वंदना का भाव है, इसलिए मुसलमान ऐसे पाठ का हिस्सा नहीं बन सकते जिसमें इबादत का तत्व शामिल हो। हालांकि, कासमी ने स्पष्ट किया कि संगठन कविता के विरोध में नहीं है।

यदि अन्य समुदाय इसके पाठ करना चाहें तो उन्हें पूरा अधिकार है। लेकिन इसे अनिवार्य बनाना या स्कूलों में बच्चों पर लागू करना धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप माना जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार से सर्कुलर की समीक्षा की मांग करते हुए कहा कि देशभक्ति जरूरी है, लेकिन धार्मिक आस्था से समझौता स्वीकार नहीं होगा।

पुलिस-मुठभेड़, तीन बदमाश घायल, गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने देर रात मुठभेड़ के बाद तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये तीनों मेरठ के रहने वाले हैं और असद गैंग से जुड़े बताए जा रहे हैं।

क्राइम ब्रांच की शकरपुर टीम को सूचना मिली थी कि गैंग का सरगना अपने साथियों के साथ उस्मानपुर इलाके में आने वाला है। इनपुट के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे तीनों बदमाश बाइक पर सवार होकर पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन खुद को घिरा देख उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिससे तीनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और उन्हें काबू कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान एक सब-इंस्पेक्टर को भी गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उनकी जान बच गई। घायल आरोपियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, तीनों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वे मेरठ में एक हत्या के मामले में वांछित थे। मामले की आगे जांच जारी है।

तेलंगाना निकाय चुनाव: कुकर और पैसे बांटने के बाद वोट नहीं मिले तो उम्मीदवार ने मांगा वापस

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले के अश्वरावपेट नगर पालिका के वार्ड नंबर 10 में चुनावी विवाद ने तूल पकड़ लिया है। यहां कांग्रेस उम्मीदवार पर आरोप है कि उसने वोटरों को रिझाने के लिए चुनाव से पहले प्रेशर कुकर और नकद राशि बांटी थी। लेकिन जब चुनाव परिणाम उसके पक्ष में नहीं आए, तो उसने कथित तौर पर लोगों से बांटा गया सामान और पैसे वापस मांगने शुरू कर दिए।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, उम्मीदवार ने वोटिंग से पहले घर-घर जाकर नकदी और घरेलू सामान वितरित किया था। हालांकि, चुनाव में हार मिलने के बाद उसने लाभार्थियों से सामान लौटाने की मांग की। इससे नाराज होकर वार्ड के लोगों ने सड़क पर कुकर रखकर विरोध प्रदर्शन किया और इसे अपनी बेइज्जती बताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उन्होंने न तो कोई मांग की थी और न ही किसी दबाव में वोट दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया, हालांकि किसी बड़ी झड़प की सूचना नहीं है। यह घटना चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की ओर भी इशारा करती है। पुलिस के अनुसार, निकाय चुनाव के दौरान राज्यभर में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन के कई मामले सामने आए हैं और बड़ी मात्रा में नकदी व सामान जब्त किया गया है। स्थानीय लोग इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भारत बंद के दौरान ओडिशा में पुलिस बस का ब्रेक फेल, टला बड़ा हादसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा में भारत बंद के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रायगड़ा जिले के सिरीगुड़ा चौक पर प्रदर्शन के बीच एक पुलिस बस अचानक अनियंत्रित हो गई और भीड़ की ओर लुढ़कने लगी। गनीमत रही कि किसी प्रदर्शनकारी को चोट नहीं आई, लेकिन मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के मुताबिक, सिरीगुड़ा चौक पर कई ट्रेड यूनियनों द्वारा सड़क जाम कर प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी दौरान ट्रैफिक में फंसी एक पुलिस बस का ब्रेक

अचानक फेल हो गया। बस प्रदर्शन स्थल की ओर बढ़ी और वहां लगी कुर्सियां उसकी चपेट में आकर टूट गईं। घटना के बाद कुछ समय के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। मजदूर नेताओं ने आरोप लगाया कि ब्रेक फेल होना सामान्य घटना नहीं, बल्कि बंद को बाधित करने की साजिश हो सकती है। इस बयान के बाद प्रदर्शन स्थल पर माहौल और तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। बातचीत और समझाइश के बाद हालात सामान्य किए गए। हालांकि इस घटना ने भारत बंद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

डीएम ने खंड विकास कार्यालय मथुरा का निरीक्षण किया

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने खण्ड विकास अधिकारी मथुरा के कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने खण्ड विकास कार्यालय परिसर में नवनिर्मित प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) मॉडल हाउस का फीता काटकर उद्घाटन किया। सम्पूर्ण परिसर की सफाई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यालय परिसर के स्थित दो पार्कों में अधिकाधिक पौधारोपण करें। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास कार्यालय में उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था

खण्ड विकास कार्यालय में उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था हेतु खण्ड विकास अधिकारी की सराहना की

हेतु खण्ड विकास अधिकारी श्रीमती ज्योति शर्मा की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सफाई व्यवस्था बरकरार रखें। जिलाधिकारी ने अभिलेखागार, मनरेगा कक्ष, राजकीय ग्रामीण आजीविका मिशन कक्ष, पटल सहायक कक्ष आदि का जायजा लिया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने आईजीआरएस रजिस्टर, जन शिकायत रजिस्टर, तहसील दिवस रजिस्टर, कैश बुक, वीबी जी राम जी गार्ड फाइल आदि का अवलोकन किया। कहा कि प्रातः 10 से 12 बजे तक जन सुनवाई करते हुई फरियादियों की समस्याओं का निदान शासन की प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानों को अधिकाधिक फॉर्मर्स रजिस्ट्री करवाने हेतु प्रोत्साहित करें। उन्होंने स्कूलों में बच्चों के अभिभावकों के साथ बैठक कर फॉर्मर्स रजिस्ट्री करवाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए।

भदनवारा में युवक के साथ मारपीट, केस दर्ज

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। कोतवाली क्षेत्र के गांव भदनवारा में खेत की रखवाली को जा रहे युवक के साथ गाली गलौज मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। जिसकी प्राथमिकी 4 लोगों के खिलाफ दर्ज कराई है। गांव भदनवारा निवासी ठाकुरदास ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि 12 फरवरी की शाम करीब 6 बजे के लगभग बाइक से खेत पर जा रहा था। रास्ते में गांव भदनवारा निवासी राहुल, अरविंद, ज्ञानेंद्र, पाजी खेत में बैठकर शराब पी रहे थे। जैसे ही मेरी बाइक उनके समीप पहुंची तो उक्त चारों लोग मेरे साथ गाली गलौज करने लगे। जब मैंने गाली–गलौज का विरोध किया तो इसी बात पर उक्त लोगों ने मुझे पकड़ लिया और मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी और मेरे मोबाइल को भी उक्त लोगों ने तोड़ दिया। शोर शराबा सुन आसपास के लोगों को आता देख जान से मारने की धमकी दी। सुरीर पुलिस का कहना है कि घायल युवक को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा है।

व्यापारियों ने सम्मान कर पुलिस का हौसला बढ़ाया

नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से सम्मानित किए एसएसपी समेत अन्य पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने गत जनवरी माह में हुई सर्राफा व्यवसाई सतीश चंद्र गर्ग की हत्या व लूट का 24 घंटे में पुलिस द्वारा खुलासा करने व माल बरामदगी से खुश होकर एसएसपी समेत लगभग डेढ़ दर्जन पुलिस कर्मियों का सम्मान किया। कप्तान को उत्कृष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में मौजूद मृतक व्यापारी के बेटे मयंक गर्ग ने खुलासा करने वाली पुलिस टीम को नकद 51 हजार रुपया इनाम की घोषणा की। इस पर कप्तान ने धन्यवाद देते हुए व्यापार मंडल के सहयोग से इस राशि से बाजारों में कैमरा लगवाने व अन्य जगह देने की बात कही। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग ने कहा कि विगत 40 वर्षों से नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल व्यापारियों की सुविधार्थ अच्छे अधिकारियों का सम्मान व व्यापारी विरोधी अधिकारियों का पुरजोर विरोध करता रहा है। आज का कार्यक्रम इसी प्रयास में एक सराहनीय कदम है। एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि आज व्यापार मंडल द्वारा दिए गए इस सम्मान से हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। व्यापार मंडल ने इस तरह से पूरी टीम का सम्मान कर पूरे विभाग के हौसले को बढ़ाया है। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अजीत तेहरिया ने कहा कि पुलिस व व्यापारी एक दूसरे के पूरक है। व्यापारियों द्वारा जिस तरह से पुलिस विभाग का सम्मान किया गया है। यह एक अच्छा व सार्थक संदेश है। सम्मानित करने वाली टीम में एसएसपी श्लोक कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार सिंह, सीओ सिटी आशना चौधरी, थाना गोविंद नगर प्रभारी रवि त्यागी, स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा, उप निरीक्षक महेंद्र सिंह, उप निरीक्षक रिकेश शर्मा, उप निरीक्षक अमित कुमार, उप निरीक्षक गौरव तोमर, उप निरीक्षक नकुल कुमार एवं उप निरीक्षक मयंक समेत कई सिपाहियों का दुपट्टा उड़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक कल्यान दास अग्रवाल, अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महानगर महामंत्री शशिभानु गर्ग ने व्यापारियों की सुरक्षा हेतु शस्त्र लाइसेंस प्राथमिकता से बनाए जाने की मांग जोरदारी से रखी।

इस अवसर पर विशन चंद अग्रवाल, पहलाद अग्रवाल, माधव अग्रवाल, सर्वेश शर्मा एडवोकेट, रामचंद्र खत्री, सुनील साहनी, मीना लाल अग्रवाल, श्री भगवान चतुर्वेदी, विकास जिंदल, गुरमुख दास, महावीर मित्तल, राकेश अग्रवाल, दिलीप पांडे राज नारायण गौड़, राजवीर सिंह पार्षद, नागेंद्र वर्मा, हरीश अग्रवाल, महेश गुप्ता, राम नरेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, विजय वीर सिंह, राजेंद्र अग्रवाल, विष्णु खंडेलवाल, जगत बहादुर अग्रवाल, युवा नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, अश्वनी गर्ग, गिरधारी लाल अग्रवाल, केदार खंडेलवाल, लक्ष्मण दास कालरा, अशोक अग्रवाल, सचिन चतुर्वेदी, पूरन सिंह सविता, उपेंद्र चतुर्वेदी, अजय गोयल, गोपाल अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

वैज्ञानिक तकनीकों से बकरी पालन को मिलेगा बढ़ावा

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत संचालित केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम में बकरियों में मद समकालिकीकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान तकनीक विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 13 फरवरी, को हुआ। इस प्रशिक्षण में बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं राजस्थान से आए 12 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान की आधुनिक तकनीकों, नस्ल सुधार की वैज्ञानिक विधियों तथा प्रजनन प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चेटली ने प्रतिभागियों को संस्थान में संचालित विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों से अवगत कराते हुए कृत्रिम

मखदूम में पांच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

गर्भाधान के माध्यम से बकरी नस्ल सुधार की संभावनाओं पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समन्वयक एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. रवि रंजन ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों और इसकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिकगण डॉ. एम.के. सिंह, डॉ. गोपाल दास, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. के. गुरुराज तथा डॉ. वाई.के. सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षार्थियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि वे इस तकनीक का उपयोग कर अपने–अपने राज्यों में बकरियों की नस्ल सुधार एवं उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में कार्य करेंगे।

हिंदू स्वाभिमान यात्रा का जमुना धाम ऑफिस पर स्वागत करते श्री ग्रुप के एमडी सुदीप अग्रवाल और डायरेक्टर शेखर अग्रवाल

मथुरा में महाराजा सूरजमल जयंती पर निकली शोभायात्रा

यूनिक समय, मथुरा। महाराजा सूरजमल जयंती पर पाली खेड़ा से शोभायात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों मंडी चौराहा, गोवर्धन चौराहा और भूतेश्वर होते हुए गांव हकीम में संपन्न हुई। शोभायात्रा में बाइक, ट्रैक्टर और चार पहिया वाहनों का लंबा काफिला शामिल रहा। अनुयायी हाथों में महाराजा सूरजमल के चित्र लेकर ‘अमर रहें’ के नारे लगाते हुए चल रहे थे। जगह–जगह स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई स्थानों पर सांस्कृतिक झांकियों के माध्यम से उनके जीवन प्रसंग प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व पहलवान पप्पू हकीमपुरिया ने किया।

परिक्रमा कर श्रद्धालु पहुंचे बांके बिहारी की शरण

यूनिक समय, वृंदावन। एकादशी पर आज सुबह से परिक्रमा लगाने के लिए श्रद्धालुओं के कदम बढ़ते ही जा रहे थे। सुबह से लेकर अपराह्न तक श्रद्धालुओं की लंबी लाइन के बीच से चार पहिया वाहन गुजरने से परेशानी भी हुई। रास्ते में दानदाताओं ने श्रद्धालुओं ने चाय, फल आदि का वितरण भी किया। परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर भी दर्शन करने पहुंचे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा गार्डों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

थाने वाले शिव मन्दिर पर महाशिवरात्रि पर लगेंगे छप्पन भोग

संवाददाता

यूनिक समय, फरह। कस्बा फरह के थाने वाले शिव मन्दिर में महाशिवरात्रि पर छप्पन भोग एवं फूलबंगला के अलौकिक दर्शन होंगे। बुधवार को हुई समिति की बैठक में पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को और भव्य बनाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। महाशिवरात्रि पर सायं 4 बजे से नगर में भव्य शिव बारात निकाली जायेगी। जिसमें नंदी पर सवार महाकाल शिवशंकर अपने गणों के साथ नृत्य करते एवं विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन करते हुये कस्बे की मुख्य मार्गों से निकलेंगे। आगरा के कारीगरों द्वारा महाप्रसाद बनाने का कार्य शुरू हो चुका है। मन्दिर समिति के अध्यक्ष रामभरोसी सिंघल ने बताया कि इस बार कार्यक्रम की 32 वीं वर्षगांठ मनायी जा रही है। इसी कारण कार्यक्रम को पहले से अधिक भव्यता प्रदान करने की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। समिति के उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि रात्रि में मन्दिर परिसर में शिव की विभिन्न लीलाओं का मंचन सुन्दर झांकियों द्वारा किया जायेगा।

अलंकार अग्निहोत्री का वृंदावन में ऐलान

सनातनी संस्कृति नाम की नई पार्टी बनाएंगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में इस्तीफा देने वाले पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने अब तीसरा मुद्दा उठाया है। वृंदावन पहुंचकर उन्होंने बांके बिहारी कॉरिडोर को अपना तीसरा मुद्दा बताते हुए कहा–सरकार कॉरिडोर के जरिए गोस्वामी, पुरोहित और सेवादारों द्वारा स्थापित संस्कृति खत्म करने की कोशिश कर रही है। धार्मिक संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। यह लोग अयोध्या हारे हैं अब काशी और मथुरा–वृंदावन भी हारेंगे। कहा कि अब हम सनातनी संस्कृति नाम की नई पार्टी बनाएंगे। इसके जरिए हम चुनाव लड़ेंगे। अगर किसी से गठबंधन करना पड़ा तो करेंगे। श्री अग्निहोत्री आज

पीसीएस अधिकारी अलंकार का स्वागत करते राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के पदाधिकारी।

वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने बांके बिहारी मंदिर में दर्शन–पूजन किया। मंदिर के पुजारियों ने उन्हें पटका–माला पहनाकर प्रसाद भेंट किया। दर्शन के बाद वे राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद बल्लभ गोस्वामी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां राष्ट्रीय ब्राह्मण, सेवा संघ, ब्राह्मण सभा, पंडा सभा, व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों और बांके बिहारी कॉरिडोर व न्यास का विरोध कर रहे गोस्वामी परिवार की महिलाओं ने उनका स्वागत किया।

आयोजकों ने उन्हें बांके बिहारी जी का छवि चित्र भेंट किया। उन्होंने कहा कि बिहार की एक सवर्ण अधिकारी को इन लोगों ने दो बार निलंबित किया। उस पर दबाव डाला कि वह फिजिकल रिलेशन बनाएगी, तो मामला खत्म कर दिया जाएगा। इस कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में चंद्रलाल शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, मनोज मोहन शास्त्री, गोविंद शर्मा, प्रमोद गौतम, श्याम सुंदर गौतम, विवेक महाजन, जमुना शर्मा तथा नीलम गोस्वामी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नि:शुल्क मोतियाबिन्द शिविर 14–15 को

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम में प्रेमवती गुप्ता नेत्र चिकित्सालय के अंतर्गत दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को होगा। 14 फरवरी को मोतियाबिन्द का ऑपरेशन 15 फरवरी को प्रातः 11:00 बजे मीरा माधव निलयम में साध्वी रिंतभरा द्वारा औषधि एवं चश्मा वितरण के साथ समापन होगा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी उमाशंकर राही ने दी।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053